संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 199
पृष्ठ 8
गुरूवार
10 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्या आपको भी किसी को छूते ही...

विचार- वाम राजनीति की नयी उम्मीद

खेल- चौथी बार आईपीएल में लगातार चार...

विश्व नमोकार महामंत्र दिवस पर बोले सीएम योगी-

जैन धर्म की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की धरती जैन तीर्थंकरों की पावन भूमि रही है। अयोध्या में भगवान ऋषभदेव का जन्म हुआ, जो अयोध्या के राजा थे। अयोध्या में ही पांच तीर्थंकरों ने जन्म लिया। वहीं, काशी की धरती पर भी तीर्थंकर का जन्म हुआ है। हमारे तीर्थंकरों ने यहीं से धर्म और साधना की परंपरा को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ के संगीत नाटक अकादमी में 'विश्व नमोकार महामंत्र दिवस' के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कही। शांति, ऊर्जा, सकारात्मकता और विश्व कल्याण के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जिटो) की तरफ से किया गया। सीएम योगी ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिए गए प्रेरणादायक संदेश का भी उल्लेख किया। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने व्यवहारिक जीवन में नमोकार महामंत्र को उतारने के लिए 9 संकल्प बताए हैं, जिन्हें हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए। उन्होंने भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं भी दीं और जैन धर्म की अहिंसा और परोपकार की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने नमोकार महामंत्र के महत्व को बताते हुए कहा कि यह महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक तीनों प्रकार के दुखों से मुक्ति दिलाने का साधन है। साधना, आत्मशुद्धि और लोक कल्याण की भावना से जुड़कर व्यक्ति न केवल स्वयं का कल्याण करता है, बल्कि समाज और दुनिया के लिए भी प्रेरणा बनता है। सीएम योगी ने कहा कि सभी 24 तीर्थंकरों का जीवन लोककल्याण के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने अपने उपदेशों और साधना के माध्यम से जीवन जीने की एक उच्च परंपरा स्थापित की। जैन धर्म की ये शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। हर भारतीय को उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन में अपनाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने विश्व नमोकार महामंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहली बार पूरी दुनिया में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस का एक साथ आयोजन कर जैन धर्म की शिक्षाओं को वैश्विक मंच पर स्थापित किया गया है। यह सभी के लिए प्रेरणा का माध्यम बनेगा। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी को भगवान महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सभी से जैन धर्म के उपदेशों को आत्मसात करने की अपील भी की।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी

● पीएम सिंचाई योजना की सब स्कीम पर भी लगी मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 9 अप्रैल को भीड़भाड़ को कम करने के लिए दो रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाइब्रिड एन्युटी मोड पर पंजाब और हरियाणा में 1878.31 करोड़ रुपये की लागत से 19.2 किलोमीटर लंबाई वाले 6 लेन वाले प्रवेश नियंत्रित जीरकपुर बाईपास के निर्माण को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने तिरुपति से काटपाडी तक दोहरीकरण को मंजूरी दी है जो 1332 करोड़ रुपये की परियोजना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2025-2026 की अवधि के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) की उप-योजना के रूप में 1600 करोड़ रुपये के प्रारंभिक कुल परिव्यय के साथ कमांड क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन (एम-सीएडीडब्ल्यूएम) के आधुनिकीकरण को मंजूरी दी। पीआईबी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने एनएच-7 (जीरकपुर-पटियाला) के साथ जंक्शन से शुरू होकर एनएच-5 (जीरकपुर-परवाणू) के साथ जंक्शन पर समाप्त होने वाले 6 लेन वाले जीरकपुर बाईपास के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इसमें बताया गया है कि इसकी कुल लंबाई 19.2 किलोमीटर है। यह निर्माण पंजाब और हरियाणा राज्य में एनएच(ओ) के तहत हाइब्रिड एन्युटी मोड पर किया जाएगा। यह पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान सिद्धांत के तहत एकीकृत परिवहन बुनियादी ढांचे के विकास की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

बिना सोचे-समझे बोलने की आदत, कंगना रनौत के बयान पर भड़कीं कांग्रेस कांग्रेस नेता मुमताज पटेल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत पर उनके भेड़िया वाले बयान को लेकर निशाना साधा है और कहा है कि वह बिना सोचे समझे बोलती हैं और उन्हें मुंह से गोली चलाने का सिंड्रोम है। पटेल ने एएनआई से कहा, "कंगना हमेशा बिना सोचे समझे बोलती हैं। उन्हें मुंह से गोली चलाने का सिंड्रोम है। उन्हें जो बोलना है बोलने दें, इससे पता चलता है कि भाजपा के सांसद किस तरह के हैं।" रनौत ने इससे पहले हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया था कि राज्य की हालत खराब है और इसे "भेड़ियों" की पकड़ से मुक्त करने की जरूरत है। भाजपा सांसद पर निशाना साधते हुए पटेल ने पूछा कि क्या कंगना को लगता है कि हिमाचल देश का हिस्सा है। कांग्रेस नेता ने पूछा, अगर आप कह रहे हैं कि देश में प्रगति हो रही है और हिमाचल प्रदेश में नहीं, तो क्या हिमाचल प्रदेश इस देश का हिस्सा नहीं है? क्या प्रधानमंत्री मोदी की हिमाचल प्रदेश के लोगों के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं है? क्या इसका मतलब यह है कि केवल भाजपा सरकार वाले राज्य ही प्रगति करेंगे? पटेल ने देश में मोदी लहर की धारणा को खारिज करते हुए कहा कि 60 प्रतिशत लोगों ने भाजपा सरकार के खिलाफ मतदान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार नहीं बल्कि एनडीए सरकार है। उन्होंने कहा, ष्मैं स्पष्ट कर दूं कि चुनाव जीतने का मतलब यह नहीं है कि कोई लहर चल रही है क्योंकि 60 प्रतिशत लोग अभी भी इस सरकार के खिलाफ वोट करते हैं। वर्तमान में संसद में मोदी सरकार अल्पमत में है। यह गठबंधन सरकार है। यह मोदी सरकार नहीं है। यह एनडीए की सरकार है। पटेल की प्रतिक्रिया कंगना द्वारा अपने संसदीय क्षेत्र मंडी में एक सभा को संबोधित करते हुए की गई इन टिप्पणियों के बाद आई है। भाजपा नेता ने राज्य में समोसा जांच को लेकर विवाद पर कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष किया, जिसे बाद में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह अधिकारियों द्वारा कदाचार के खिलाफ था और मुख्यमंत्री को परोसे जाने वाले नाश्ते से संबंधित नहीं था।

समाजवादी पार्टी की 6 महिला नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी की 6 नामजद महिला नेताओं और 7 से 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पायल किन्नर, जूही सिंह, सुमैया राणा, बीना रावत, सुमन यादव और वंदना चतुर्वेदी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कल उन्होंने लखनऊ में दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन किया था। समाजवादी पार्टी की महिला विंग ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव पर उनके कथित बयान को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली के सीएम गुप्ता ने कथित तौर पर एक मीडिया चौनल को दिए इंटरव्यू में अखिलेश यादव को "टोंटी चोर" कहा था। दिल्ली के सीएम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए समाजवादी पार्टी के एक कार्यकर्ता ने रेखा गुप्ता से माफी मांगने या इस्तीफे की मांग की। समाजवादी पार्टी के एक कार्यकर्ता ने कहा, ष्हम दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हमारे पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम, जो एक सांसद भी हैं (अखिलेश यादव) के खिलाफ एक विवादास्पद बयान दिया है...उन्हें माफी मांगनी चाहिए या फिर इस्तीफा दे देना चाहिए।

टीका राम जूली के मंदिर जाने पर शुद्धिकरण से फंसी भाजपा

राहुल ने बताया दलित विरोधी, ज्ञानदेव आहूजा को पार्टी ने किया निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने टीका राम जूली और भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा द्वारा राम मंदिर के दर्शन से जुड़ी एक विवादित घटना के बाद भाजपा पर श्दलित विरोधीश होने का आरोप लगाया। दलित नेता और राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीका राम जूली ने राम नवमी के अवसर पर राम मंदिर का दर्शन किया। कांग्रेस द्वारा पोस्ट की गई पोस्ट के अनुसार, उनके दर्शन के बाद, भाजपा के पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने मंदिर को गंगाजल से धोया। कांग्रेस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में भाजपा विधायक ज्ञानदेव आहूजा यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं, ष्कुछ अपवित्र लोग आए थे, इसलिए मैंने मंदिर को शुद्ध करने के लिए गंगाजल डाला। कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे भाजपा और आरएसएस द्वारा दलितों का अपमान करने का एक और उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतें भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाती हैं। कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा कि ठश्रच का दलित विरोधी चेहरा एक बार फिर सामने आया है। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली जी दलित समाज से आते हैं। वे रामनवमी के दिन राम मंदिर में दर्शन के लिए गए। इसके बाद, भाजपा के पूर्व विधायक और नरेंद्र मोदी के चहेते ज्ञानदेव आहूजा ने राम मंदिर को गंगाजल से धोया। आहूजा का कहना है कि दलित अपवित्र होते हैं। अपवित्र लोग मंदिर में आ गए थे, इसलिए हमने राम मंदिर को गंगाजल से धो दिया। पार्टी ने आगे कहा कि ये पहला मामला नहीं है, भाजपा और आरएसएस के लोग लगातार दलितों का अपमान करते रहे हैं। मोदी के करीबी ज्ञानदेव आहूजा ने जो किया है, वह भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता का जीता-जागता सबूत है। साफ है- भाजपा दलित विरोधी है और यही इनका असली चाल, चरित्र और चेहरा है। वो तो संविधान की वजह से भाजपा के लोग दलितों को बर्दाश्त कर रहे हैं और इसलिए ये बार-बार संविधान बदलने की बात भी करते हैं।

बेटी बढ़ाओ महिला सशक्तीकरण यात्रा का अगला कदम है: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि लड़कियों को सुरक्षा व शिक्षा देने से आगे बढ़कर उन्हें सक्रिय रूप से सक्षम व उन्नत बनाने का समय आ गया है।

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में "समन्वयरू 100 साल की विरासत का जश्न" कार्यक्रम में उन्होंने महिला सशक्तीकरण की यात्रा में अगले कदम के रूप में बेटी बढ़ाओ वाक्यांश के साथ काम करने का आह्वान किया। गुप्ता ने कार्यक्रम में सैकड़ों युवतियों को संबोधित करते हुए कहा, "हमने बेटी बचाओ से बेटी पढ़ाओ तक की यात्रा पूरी कर ली है और अब बेटी बढ़ाओ का समय आ गया है। हमारी माताओं ने हमें सुरक्षा दी और शिक्षित किया - अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आगे बढ़ने और चमक बिखेरने में लड़कियों की अगली पीढ़ी की मदद करें।"

सूद ने स्कूल मालिकों को फीस बढ़ाने की छूट देने का भरोसा दिया : आतिशी

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद की निजी स्कूलों के मालिकों के साथ मुलाकात का दावा करते हुए आरोप लगाया है कि उन्होंने स्कूल मालिकों को फीस बढ़ाने की छूट देने का भरोसा दिया है। सुश्री आतिशी ने बुधवार को कहा कि छह अप्रैल को शिक्षा मंत्री के घर पर हुई इस बैठक में स्कूल मालिकों को भरोसा दिया गया कि उन्हें हर साल 10 प्रतिशत फीस बढ़ाने का अधिकार दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमें विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि छह अप्रैल रविवार को दोपहर एक बजे श्री आशीष सूद के निवास पर उनकी निजी स्कूल के मालिकों के साथ बैठक हुई है। इसमें निजी स्कूल के मालिकों को आश्वासन दिया गया है कि उनके खिलाफ कोई भी कड़ी कार्रवाई नहीं होगी। उनको बोला गया कि अभी माता-पिता के प्रदर्शन और आम आदमी पार्टी की ओर से मुद्दा उठाए जाने की वजह से मुद्दा गरम है, जैसे ही ठंडा होगा एक आदेश दिल्ली सरकार की ओर से निकाला जाएगा जिसमें दिल्ली के हर निजी स्कूल को हर साल 10 प्रतिशत फीस बढ़ाने की छूट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के इतिहास में कभी भी ऐसी छूट निजी स्कूलों को नहीं दी गई। 10 साल से आम आदमी पार्टी इन निजी स्कूलों के खिलाफ लड़ रही थी। उनकी फीस नियंत्रित करके रखी थी। इनसे कोर्ट में लड़ रही थी और ऑडिट करवा रही थी। अब आश्वासन दिया जा रहा है कि जैसे ही मामला ठंडा होगा, निजी स्कूलों को खुली छूट दी जाएगी। आप नेता ने आरोप लगाते हुए कहा कि इससे साफ़ हो जाता है कि भाजपा की निजी स्कूलों के साथ साठगांठ है।

बंगाल में नहीं लागू होगा वक्फ संशोधन कानून

● मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के बाद सीएम ममता बनर्जी का ऐलान

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि राज्य में वक्फ (संशोधन) अधिनियम लागू नहीं किया जाएगा। कोलकाता में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह अल्पसंख्यक लोगों और उनकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। उन्होंने कहा कि मैं जानती हूं कि वक्फ अधिनियम के लागू होने से आप दुखी हैं। भरोसा रखें, बंगाल में ऐसा कुछ नहीं होगा जिससे कोई बांटकर राज कर सके। आप संदेश देते हैं कि सभी को एक साथ रहना है। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो बनर्जी ने लोगों से अपील की कि वे उन लोगों की बातों पर ध्यान न दें जो उन्हें राजनीतिक आंदोलन शुरू करने के लिए उकसाते हैं। मंगलवार को मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर हुई हिंसा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ष्बांग्लादेश के सीमावर्ती इलाकों में स्थिति देखिए।

लोकरंजन प्रकाशन
3/2, प्रयाग स्टेशन रोड, प्रयागराज-211002
E-mail : lokranjanprakashan@gmail.com
Mobile : 7355413932, 9415040456

कहानी वाचन प्रतियोगिता
10 अप्रैल, 2025 अपराह्न 3 बजे
स्थान : 3/2, प्रयाग स्टेशन रोड, प्रयागराज
आप सादर आमंत्रित है।

जागरण पर जाने वाले युवक पर जानलेवा हमला

प्रयागराज। कीडगंज थाने में ईशु केसरवानी ने कुछ लोगों पर जागरण में जाने पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। तहरीर के अनुसार पंचायती अखाड़े के

पास रहने वाले धीरज सिंह, करन केसरवानी, ईशान और उनके चार–पांच साथियों ने ईशु को जागरण में नहीं जाने की धमकी दी थी। आरोपियों की धमकी को दरकिनार कर ईशु रात में जागरण में शामिल होने के लिए चला गया। इससे नाराज होकर आरोपियों ने ईशु की पिटाई कर दी। लोहे के कड़े से सिर पर प्रहार कर जख्मी कर दिया। पुलिस तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की होर्डिंग हटाने पर थाने का घेराव

प्रयागराज। सुलेमसराय में जगह–जगह लगे डॉ. भीमराव आंबेडकर की होर्डिंग को नगर निगम द्वारा हटाए जाने पर लोगों का गुस्सा भड़क गया। दर्जनों की संख्या में स्थानीय लोग व अधिवक्ताओं ने हाथों में आंबेडकर की होर्डिंग व पोस्टर लेकर धूमनगंज थाने का घेराव किया। आक्रोशित लोगों ने कहा कि बाबा साहेब का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शहर में जगह–जगह तमाम प्रतिष्ठानों व राजनीति दलों के जनप्रतिनिधियों व नेताओं की होर्डिंग लगी है। लेकिन, नगर निगम साजिश के तहत बाबा साहेब की होर्डिंग को निशाना बना रहा है। लोगों ने थाने पर जमकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शित किया। चेताया कि यदि मनमानी व पक्षपात पर रोक नहीं लगी, तो आंदोलन को बाध्य होंगे। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने किसी तरह ज्ञापन लेते हुए प्रदर्शनकारियों को समझा–बुझाकर शांत कराया।

महाकुम्भ में सेवा के लिए मिला सम्मान

प्रयागराज। महाकुम्भ में उत्कृष्ट सेवा के लिए जवाहर लाल प्रजापति को सम्मानित किया गया। महाकुम्भ में कार्य के दौरान अतिविशिष्ट लोगों को भीड़ से निकालकर संगम तक पहुंचाने के

लिए जवाहर लाल को एनसीसी के ग्रुप हेड क्वार्टर (चौथम लाइन) कर्नल कर्नल अरविंद झा ने सम्मानित किया। जवाहर लाल ने महाकुम्भ की भीड़ से एनसीसी के अफसरों को सुरक्षित निकाला था। एनसीसी ने महाकुम्भ में जवाहर लाल की सेवा ली थी।

20 अप्रैल के बाद कार्यभार ग्रहण करेंगे प्रमुख अधीक्षक

प्रयागराज। शासन की ओर से एसआरएन अस्पताल के नियुक्त प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार गुप्ता 20 अप्रैल के बाद पदभार ग्रहण करेंगे। मूलरूप से अलीगढ़ के रहने वाले डॉ. राजीव अभी तक महाराणा प्रताप जिला संयुक्त चिकित्सालय बरेली में बतौर वरिष्ठ परामर्शदाता पद पर कार्यरत थे। डॉ. राजीव ने बताया कि कुछ पारिवारिक कारणों से 20 अप्रैल के बाद पदभार ग्रहण करूंगा। एसआरएन में तैनात रहे प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय सक्सेना बतौर परामर्शदाता कॉल्विन अस्पताल में पदभार ग्रहण करेंगे।

जिले में टेढ़े पैर वाले हर साल पैदा हो रहे 82 बच्चे

प्रयागराज। किसी गर्भवती महिला के लिए स्वस्थ शिशु का जन्म देना उसके लिए असीमित मातृत्व सुख के समान होता है। लेकिन बदलती जीवनशैली, अनुवांशिकी व पर्यावरणीय कारकों से क्लब फुट (टेढ़े पैर वाले) बच्चों की संख्या बढ़ रही हैं। हालांकि इस तरह के बच्चों का निरूशुल्क इलाज राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि जन्म के एक सप्ताह के अंदर ही इलाज शुरू हो जाए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत अनुष्का फाउंडेशन की मदद से क्लब फुट के बच्चों का निरूशुल्क इलाज बेली अस्पताल में प्रत्येक शनिवार, कॉल्विन अस्पताल के गुरुवार को कराया जाता हैं। फाउंडेशन के स्थानीय प्रतिनिधि विक्रांत के अनुसार प्रदेश में लखीमपुर खीरी के बाद सबसे ज्यादा क्लब फुट के बच्चे प्रयागराज में पैदा हो रहे हैं। प्रयागराज में औसतन हर साल पैदा क्लब फुट के 82 बच्चे पैदा हो रहे हैं।

महाकुंभ संभालने वाले विजय किरन को योगी ने दी बड़ी जिम्मेदारी, इन्वेस्ट यूपी का नया सीईओ बनाया

प्रयागराज। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विजय किरन आनंद पर एक बार फिर भरोसा जताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। विजय किरन आनंद को इन्वेस्ट यूपी का सीईओ बनाया गया है। इस पद पर रहे आईएएस अभिषेक प्रकाश को पिछले दिनों घूसखोरी के आरोप में निलंबित कर दिया गया था।

महाकुंभ के दौरन बनाए गए नए जिले महाकुंभ नगर के जिलाधिकारी रहे और इस समय प्रयागराज के मेलाधिकारी विजय किरन आनंद को सीएम योगी ने बड़ी जिम्मेदारी देते हुए इन्वेस्ट यूपी का सीईओ बना दिया है। इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश को पिछले दिनों घूसखोरी के आरोप में निलंबित करते हुए यहां से हटा दिया गया था। 2009 बैच के आईएएस अधिकारी विजय किरन की गिनती सीएम योगी के बेहद करीबी अधिकारियों में होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी से सांसद बनने के बाद विजय किरन को वहां का जिलाधिकारी बनाया गया था।

इसके बाद सीएम योगी ने अपने जिले गोरखपुर में भी विजय किरन को जिलाधिकारी की जिम्मेदारी दी थी। 2019 के कुंभ और इसी साल हुए महाकुंभ का पूरा जिम्मा भी विजय किरन को सौंपा गया था। उन्हें दोनों बार मेलाधिकारी बनाया गया था। इस समय भी वह प्रयागराज के मेलाधिकारी के पद पर तैनात हैं। विजय किरण का जन्म बेंगलुरु में हुआ था। वह चार्टर्ड अकाउंटेंट भी हैं। विजय किरन के साथ ही पंचायतीराज विभाग में अपर निदेशक रहे आईएएस राजकुमार को प्रतीक्षारत किया गया है।

विजय किरण आनंद वाराणसी और गोरखपुर में जिलाधिकारी की जिम्मेदारी संभालने से पहले मैनपुरी, उन्नाव, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर के भी डीएम रहे हैं। हर जिले में अपने फैसलों और योजनाओं के कारण नई पहचान भी बनाई। यूपी में 2017 में योगी की सरकार बनने पर योगी ने माघ मेला के आयोजन में लगाया। इसके बाद 2019 में उन्हें अर्ध कुंभ मेला की जिम्मेदारी सौंपी। इसके बाद इस साल महाकुंभ 2025 के आयोजन से ठीक पहले उन्हें दोबारा प्रयागराज लाया गया और मेलाधिकारी बनाया गया। महाकुंभ नगर के जिलाधिकारी भी रहे।

उन्होंने मध्याह्न भोजन योजना के निदेशक, बेसिक शिक्षा में विशेष सचिव और स्कूल शिक्षा के निदेशक के रूप में भी कार्य किया है। उनकी पहल से स्कूलों में पोषण स्तर में सुधार हुआ और शिक्षा के परिणाम बेहतर हुए हैं। विजय किरन आनंद को 2020 में प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कृत भी किया गया।

ट्रक से कुचलकर परिवार के तीन बच्चों समेत चार की मौत, बैक करते समय हुआ एक्सीडेंट

प्रयागराज। प्रयागराज में दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, इनमें तीन बच्चे शामिल हैं। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, प्रयागराज के नैनी थाना इलाके में नए यमुना पुल के पास निर्माणाधीन रेलवे पावर हाउस के पास बुधवार तड़के 3.00 के पास के यहां पर गिट्टी लादकर चालक ट्रक लेकर पहुंचा।

इसके दौरान ट्रक बैक करते समय तीन बच्चों के साथ मजदूर छोटेलाल (45) पुत्र देवशरण चपेट में आ गए। हादसे में चारों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक शंकरगढ़ थाना इलाके के कपारी गांव का रहने वाला था। थाना प्रभारी नैनी वैभव सिंह ने बताया कि गाड़ी को थाने लाया गया है, मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

मृतक और उसका परिवार यहां पर बन रहे पावर हाउस में काम करता था। बच्चों का नाम अभी नहीं मिल पाया है, परिजनों को सूचना दी गई है। परिजनों के आने के बाद नाम स्पष्ट हो सकेगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1000 ट्रायल कोर्ट के जजों के किए तबादले, अधिसूचना हुई जारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़े स्तर पर कार्रवाई की है। करीब 1000 ट्रायल कोर्ट के जजों के तबादले किए हैं। जिसको लेकर अधिसूचना भी जारी हो गई है।

उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर जजों का तबादला किया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने करीब 1000 ट्रायल कोर्ट के जजों के तबादले किए हैं। हाईकोर्ट की ओर से अधिसूचना भी जारी हो गई है।

वहीं दूसरी तरफ इससे पहले बीती 30 मार्च 2025 को उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर जजों के ट्रांसफर किए गए थे। हाईकोर्ट ने 236 अपर जिला जज, 207 सिविल जज सीनियर डिवीजन व 139 सिविल जज जूनियर डिवीजन स्तर के न्यायिक अधिकारियों की वार्षिक तबादला सूची जारी की थी।

हालांकि इन न्यायिक अधिकारियों को कब तक चार्ज छोड़ना है, इस संबंध में अधिसूचना जारी नहीं की गई है। कानपुर नगर में 11 नए अपर जिला जज, नौ सिविल जज सीनियर डिवीजन और तीन सिविल जज जूनियर डिवीजन स्तर के न्यायिक अधिकारी चार्ज मिला। जबकि यहां से 13 अपर जिला जज और सात सिविल जज सीनियर डिवीजन स्तर के न्यायिक अधिकारी स्थानांतरित किए गए। खास बात यह है कि पारिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश सेवानिवृत्त हो गए और बाकी चारों न्यायाधीशों का स्थानांतरण हो जाने से पारिवारिक न्यायालय की सभी अदालतों में न्यायाधीश बदल गए।

प्रयागराज जंक्शन पर ट्रेन मैनेजरों ने की टीटीई की पिटाई, आरपीएफ के सामने जड़े थप्पड़

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर ट्रेन मैनेजरों ने एक टीटीई की पिटाई कर दी। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। रेलवे ने मामले में जांच बैठा दी है। जिस समय टीटीई को थप्पड़ मारे गए, उस वक्त आरपीएफ भी वहां मौजूद थी।

प्रयागराज जंक्शन पर रविवार की दोपहर प्लेटफार्म नंबर दो पर ट्रेन मैनेजर एवं अन्य रेलकर्मियों ने एक टीटीई की पिटाई कर दी। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सूत्रों के मुताबिक वीडियो रेलमंत्री तक भी भेजा गया। वीडियो में आरपीएफ कर्मियों की मौजूदगी में ही ट्रेन मैनेजर एक टीटीई को लगातार थप्पड़ मार रहे हैं। फिलहाल रेल मंत्रालय तक मामला पहुंच जाने के बाद उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने इस मामले में जांच बैठा दी है। बताया जा रहा है कि प्रयागराज आ रही मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस में टीटीई एमके पोद्दार की ड्यूटी सतना से प्रयागराज के लिए लगी थी। आरोप है कि टीटीई ने प्रयागराज दुरंतो एक्सप्रेस में टिकट चेकिंग के दौरान गार्ड कोच में भी जांच की। इस दौरान ट्रेन मैनेजर जगदीश प्रसाद ने इसका विरोध किया। वहीं से उनका विवाद बढ़ गया।

सेवानिवृत अध्यापकों का सम्मान कर, स्टाफ ने दी विदाई

भोपा। सेवानिवृत हुए अध्यापकों सहित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को भाव भीनी विदाई स्टाफ द्वारा अधिकारियो की मौजूदगी मे दी गयी। अध्यापको शॉल पहनाकर व मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही उनकी सेवाओं की सराहना की गयी। कार्यक्रम मे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व उच्च प्राथमिक एवं जूनियर शिक्षक संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे। भोपा मे स्थित ब्लॉक् संसाधन केन्द्र पर शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी एवं सेवानिवृत्त शिक्षक समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ बी एस ए संदीप कुमार द्वारा माँ सरस्वती चित्र दीप प्रज्वलित कर

किया गया। कार्यक्रम मे रहकड़ा उच्च प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक अरविन्द कुमार शर्मा, कमपोजिट विद्यालय तेवडा की अध्यापिका ताहिरा बेगम व सदर ब्लॉक् क्षेत्र के परई उच्च प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक अरशद अली व उच्च प्राथमिक विद्यालय मलपुरा मे तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कृष्णपाल को भावभीनी विदाई दी गयी। अरविन्द शर्मा, ताहिरा बेगम व अरशद अली के व्यवहार व कार्य कुशलता की प्रशंसा की गयी।बी एस ए संदीप कुमार ने कहा की अध्यापक कभी रिटायर नहीं होता।समाज उनसे दिशा देने की अपेक्षा रखता है। शिक्षक एक प्रकाश पुंज भी है और प्रकाश का केन्द्र भी। सभी शिक्षक टीम भावना के साथ बच्चों की निपुणता का लक्ष्य पूरा करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऋषिराज सिंह ने की व संचालन अंजु गौड़ ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से बालेन्द्र सिंह, संजीव कुमार बालियान,शर्मिल राठी,कपिल वर्मा, प्रदीप वर्मा, अक्षय कुमार, महमूदुल हसन, राजन वशिष्ठ, रामकुमार,अजय जैन,राजीव सहरावत, राजेश राठी, अंजु, विपिन कुमार, आशु कुमार, नरेश त्यागी, संदीप राठी,भारत कुमार, अंजु चौधरी, मौ. यासीन,आजादवीर सहरावत, संदीप कुमार, बाबर खान, पियूष वर्मा, मुकेश, अमित कुमार, दीपा, प्रज्ञा शर्मा, अलका रानी, शिखा, मीनू, नीनू, शैली कंसल, रामानन्द चौहान, सावित्री देवी, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

ट्रेडिंग में पैसा डबल करने के नाम पर ठगे 5 लाख 49 हजार

–साइबर सैल की टीम ने 2,03,101 रूपये की धनराशि वापस करायी

मथुरा। थाना साइबर क्राइम जनपद मथुरा की टीम द्वारा पीडित से ठगे गये 5,49,000 रुपये में से 2,03,101 रुपये खाते में वापस करा दिये। धोखाधडी के शिकार हुए पीडित व्यक्ति मुकेश कुमार माहौर पुत्र पूरनचंद निवासी जन्भ भूमि थाना कोतवाली ने भारत सरकार द्वारा संचालित एनसीआरबी पोर्टल पर शिकायत दर्ज की गयी थी। इसके बाद मामला थाना साइबर क्राइम की टीम मथुरा के सौंप दिया गया। पीडित के मुताबिक उसके साथ टेलीग्राम एप पर ट्रेडिंग में पैसा डबल करने के नाम पर धोखाधडी हुंई। थाने पर संबंधित धाराओं में पीडित ने अभियोग पंजीकृत कराया दिया। जिस पर धोखाधडी के संदर्भ में थाना साइबर क्राइम पर जांच कर आवेदक की ठगी हुई धनराशि को वापस कराने के लिए थाना साइबर क्राइम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित सेवा प्रदाताओं से समन्वय स्थापित कर साइबर अपराधी के केनरा बैक के खाते को होल्ड कराते हुए न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पीडित के साथ हुई ठगी की कुल 5,49,000 रूपये की धनराशि में से 2,03,101 रूपये की धनराशि वापस करायी गयी। धनराशि रिफन्ड़ कराने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल थाना साइबर क्राइम मथुरा, निरीक्षक विवेचक बौबी कुमार थाना साइबर क्राइम, एसआई राजकुमार पंवार थाना साइबर क्राइम आदि थे। साइबर सैल मथुरा द्वारा साइबर ठगी से बचने के लिए आम जनमानस को सतर्क करते हुए संदेश जारी किया है जिसमें कुछ सावधानी बरतने से साइबर ठगी का शिकार होने से बच सकते हैं।

यह सावधानी जरूरी

– किसी भी कम्पनी का कस्टमर केयर नम्बर उस कम्पनी के आधिकारिक वेवसाइट से ही प्राप्त करें।

– कोई भी बैंक अधिकारी फोन पर कभी भी आपसे एटीएम खाते क्रेडिट कार्ड अन्य से सम्बन्धित जानकारी नहीं मांगता इसलिए कभी भी फोन कॉल पर अपने बैंक से सम्बन्धित जानकारी शेयर ना करें ।

– किसी भी क्यूआर कोड से पेमेंट लेते अथवा देते समय यह अवश्य चेक करें कि क्यूआर कोड पेमेंट लेने वाला है या देने वाला है ।

– किसी भी प्रकार का साइबर क्राइम होने पर हेल्पलाइन नम्बर 1930 या अपने नजदीकी थाने साइबर सैल मथुरा के अधिकारिक मोबाइल नम्बर 7839003501 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराये ।

– खाते में केवाईसी अपडेट कराने के लिये बैकों द्वारा कभी भी किसी से व्यक्तिगत जानकारी, ओटीपी, सीवीवी, पिन नम्बर नहीं मांगा जाता है।

– फोन पर आने वाली कॉल पर रिश्तेदार बनकर बातें करने वाला व्यकित फ्राड़ हो सकता है, अतः आप अपने कॉनटेक्ट लिस्ट मे पहले से आपके द्वारा सेव किये गये नम्बर पर कॉल कर पहले उससे पुष्टी कर ले ।

– अपने फोन पर किसी भी अन्जान व्यक्ति, कथित कस्टूमर केयर अधिकारी के द्वारा आपके मो पर भेजे गये लिक के माध्यम से कोई भी ऐप्स इंसटाल न करें। न ही किसी प्रकार के लिंक पेमेंट रिक्वेस्ट को ओपन करें।

अति पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने घेरा जिला अधिकारी कार्यालय

मुजफ्फरनगर। भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति के नेतृत्व में खतौली क्षेत्र के रसूलपुर कैलोरा गांव के प्रधान राजबाला प्रजापति सहित सैकड़ो लोगों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कियास वही ज्ञापन लेने पहुंचें सीटी मजिस्ट्रेट विकास कश्यप को ज्ञापन दिया सवही बाद में जिला अधिकारी ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति से

मुलाकात कर थाना अध्यक्ष खतौली से बात कर तुरंत कार्यवाही को कहा ससिटी मैजिस्ट्रेट को दिए ज्ञापन में राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने बताया है कि दो माह पूर्व रसूलपुर के प्रधान द्वारा गांव में एक रास्ता बनाया जा रहा था जिसको दबंगों ने रुकवा दिया जिसकी वजह से रास्ता अधूरा पड़ा है और लोगों के घरों में पानी भर रहा है वहीं इस मामले को लेकर दबंगों द्वारा ग्राम प्रधान पति सुभाष प्रजापति व उसके भाई पर दो बार जानलेवा हमला भी किया जा चुका हैस उन्होंने बताया कि इस पूरे मामले से एसडीएम खतौली को अवगत कराया जा चुका है लेकिन अभी तक समाधान नहीं हुआस ज्ञापन में उन्होंने मांग की है कि जल्द ही रास्ता रोकने वाले दबंग लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर तुरंत अधूरा पड़े रास्ते को बनवाया जाए नहीं तो ग्राम में कभी भी दबंगों द्वारा किसी भी अप्रिय घटना घट सकती हे जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस दौरान ग्राम प्रधान सुभाष प्रजापति, वरिष्ठ नेता श्यामलाल प्रजापति, वरिष्ठ नेता रामनिवास प्रजापति एडवोकेट, युवा जिला अध्यक्ष गौतम कुमार सेन, प्रभारी रजत प्रजापति, विनोद, सतीश, राजपाल ,राकेश, योगेंद्र, वरिष्ठ नेता इंद्रमल प्रजापति,करम सिंह, जगदीश,उदाराम, बिल्लू, विनीता, सुखबीर, राजवीरी,आदि लोग मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय मे हुआ वार्षिकोत्सव व परीक्षाफल वितरण समारोह

मोरना। कस्बा भोकरहेडी स्थित प्राथमिक विद्यालय नं01 मे वार्षिकोत्सव एवं परीक्षाफल वितरण समारोह धूमधाम से मनाया गया, जिसमें छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की सुन्दर प्रस्तुति दी। जिसके बाद कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे छात्र छात्राओं को परीक्षाफल एवं पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि वार्ड सभासद राहुल गर्ग ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर किया। राहुल गर्ग ने सभी उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को बधाई दी और नये सत्र में छात्र छात्राओं का नामांकन बढाने के लिए अपना पूर्ण सहयोग देने की बात कही व अभिभावकों से बच्चों को प्रतिदिन

स्कूल में भेजने की अपील की। प्रधानाध्यापिका वंदना ने परीक्षाफल घोषित करते हुए बताया कि कक्षा पांच में शहजादी, नबिया, मिस्बा, कक्षा चार में सुहाना, अलीशा, सोफिया, कक्षा तीन में मौ0 साद, सिदरा, ओमेरा, कक्षा दो में शिफा, फरीन, आफरीन तथा कक्षा एक में अलकमा, जोया व साबरा क्रमशः प्रथम, द्वितीय पर तृतीय स्थान पर रही। वहीं पिछले सत्र में सर्वाधिक उपस्थिति का पुरूस्कार कक्षा तीन की छात्रा सिदरा व उसकी माता शमा को दिया गया। कार्यक्रम में कक्षा एक की छात्रा आलिया को स्वच्छता व यूनिफॉर्म के लिए पुरूस्कृत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने सुन्दर प्रस्तुति दी। मेधावी छात्र छात्राओं को अतिथियों द्वारा नोटबुक, पैन, पेन्सिल, रबड व अन्य उपहार देकर पुरूस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजवीरी देवी व संचालन शिल्पा पंवार ने किया। इस अवसर पर सहायक अध्यापिका खुशबू, सबिया, शमा, अफसाना, समीना, अमीर हसन, अदनान, भोजनमाता ओमवती, राधा व मेंहदी मौजूद रहे।

मुख्य नर्सिंग अधीक्षक सुनील शर्मा का विदाई समारोह आयोजित

बंगाईगांव। ऑफिसर कॉलोनी के निवासियों द्वारा गत दिनांक 8 अप्रैल को रेलवे हॉस्पिटल, न्यू बंगाईगांव के मुख्य नर्सिंग अधीक्षक श्री सुनील कुमार शर्मा का विदाई समारोह आयोजित की गई। यह समारोह शहर के प्रतिष्ठित होटल जॉली डाईन में आयोजित की गई थी। श्री शर्मा के व्यवहार कुशलता ने रेलवे हॉस्पिटल क कर्मचारियों के अलावा

कॉलोनी के लोगों के दिलों में भी अपनी खास जगह बनाई। सुनील जी हर कार्यक्रम में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेते रहे और जरूरत पड़ने पर किसी की भी सहायता करने के लिए तत्पर रहते थे। उनके यहां से ट्रांसफर होने पर लोगों में मायूसी दिखी पर इस बात से संतोष जताई कि वे अपने घर के पास चले जाएंगे। फिलहाल उनकी नई पोस्टिंग प्रयागराज शहर में हुई है। इस समारोह में मुख्य ट्रेड अनुदेशक श्री राहुल शाक्य और श्रीमती तान्या शाक्य ने श्री शर्मा को कॉलोनी के तरफ से एक शानदार मोमेंटो देकर सम्मानित किया। वरिष्ठ व्याख्याता श्री विनय कुमार और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रितु कुमारी गुप्ता ने श्री सुनील शर्मा और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कविता शर्मा को उनकी पुस्तक श्बची–खुची रोशनीश भेंट की । कार्यक्रम का संयोजन किया वरिष्ठ ट्रेड अनुदेशक सद्दाम हुसैन ने । इस अवसर पर कॉलोनी के वरिष्ठ शिक्षक श्री नयनमोनी आचार्जी भी उपस्थित थे जिन्होंने एक खूबसूरत गीत श्चलते–चलते मेरे ये गीत याद रखनाश गाकर और श्रीमती रूचि सिंह ने एक नृत्य से अपनी–अपनी प्रस्तुति दी। इनके अलावा श्री नीरज कुमार सिंह, श्री राकेश ढिलोर, श्री अजय कुमार, श्री अभिषेक सोनी, श्री नागेश्वर कुमार दास और श्री पंकज कुमार अपने–अपने परिवार के साथ उपस्थित थे।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर मुख्यमंत्री चाहते हैं ब्रज का विकास

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित हुए विजन डाक्यूमेंट 2047 की बैठक

मथुरा। बाबा विश्वनाथ की नगरी बनारस और भगवान श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या की तर्ज पर अब योगिराज भगवान श्रीकृष्ण की जन्म और लीला

भूमि (ब्रज) के विकास पर काम होने जा रहा है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्लान मांगा है। इसी प्लान के तहत विजन डाक्यूमेंट– 2047 तैयार करने के लिए बुधवार को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद कार्यालय सभागा में आयोजित बैठक में उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि मुख्यमंत्री जी चाहते हैं मथुरा–वृंदावन के साथ सम्पूर्ण ब्रज का विकास तीर्थ स्थल के रूप में किया जाए। इस पर तेजी से काम करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री की इच्छा प्रयागराज, अयोध्या, काशी की तर्ज पर ब्रज का विकास करने की है। इस दौरान ब्रज तीर्थ विकास परिषद के प्रस्तावित विभिन्न प्रोटेक्ट का प्रजेंटेशन किया गया। इसका केंद्र बिंदु वृंदावन में बाँकेबिहारी कोरिडोर को मानते हुए विकास की योजनाओं पर चर्चा हुई। वर्तमान में मौजूद प्रमुख मार्ग और उनसे जुड़ने वाले सम्पर्क मार्गों पर भी चर्चा की गई। इसमें ब्रज 84 कोस परिक्रमा मार्ग भी शामिल रहा। सिंचाई विभाग द्वारा वृंदावन में बनने वाले रिवर फ्रंट और घाटों के विकास की योजना से अवगत कराया।

बैठक में शामिल हुए यमुना एक्सप्रेस वे ओद्योगिक विकास प्राधिकरण के एसीईओ नगेंद्र प्रताप ने पूर्व में बनाए जा चुके ब्रज डवलपमेंट मांगा 2041 के और विस्तार की आवश्यता बताई। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के सीमा विस्तार और वृंदावन को अतिक्रमण मुक्त करने पर बल दिया। उन्होंने कहा जब तक परिक्रमा मार्ग से यमुना का जल नजर नहीं आ जाता है, उस स्थिति में बिहारी जी कोरिडोर की सुंदरता श्रद्धालुओं के मन में कैसे प्रभाव डाल सकेगी। इस पर ठोस कार्य योजना के तहत काम होगा।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने जनपद के वर्तमान परिदृश्य को रखते हुए भविष्य की योजनाओं के लिए हो रहे काम से अवगत कराया।

बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण नगेंद्र प्रताप, मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह, नगर आयुक्त शशांक चौधरी, मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण के सचिव अरविंद द्विवेदी, डीएफओ रजनीकांत मित्तल सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

ये रहे चर्चा का मुख्य बिंदु

- बिहारी जी कॉरिडोर और आसपास सम्पर्क मार्ग
- वृंदावन में यमुना के घाटों का सौंदर्यीकरण राम की पैडी की तर्ज पर
- वृंदावन वाईपास हाईवे से यमुना एक्सप्रेस वे को जोड़ना
- वाईपास वृंदावन, गोकुल, फरह, गोवर्धन, राधाकुंड और जैत तक
- यमुना पर बिहारी जी मंदिर के सामने सिग्नेचर ब्रिज
- बरसाना में रंगीली चौक का सौंदर्यीकरण
- वृंदावन् पानी गाँव पर डिजिटल म्यूजियम
- यमुना एक्सप्रेस वे से अक्रूर घाट तक सड़क मार्ग
- वृंदावन रेल लाइन पर सड़क मार्ग
- ब्रज 84 कोस परिक्रमा मार्ग का निर्माण
- वृंदावन् रिवर फ्रंट का विकास
- तेहरा वृंदावन मार्ग का निर्माण
- हैलीपेड का विस्तार
- वृंदावन परिक्रमा मार्ग
- अन्य तीर्थ स्थलों के विकास की योजना

जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर से लिंक रोड आदर्श कॉलोनी की सडक निर्माण की समस्या को लेकर मिला व्यापारियो की आवाज व्यापार मंडल का प्रतिनिधिमंडल!

मुजफ्फरनगर। जनार्दन विश्वकर्मा जिला महामंत्री द्वारा जानकारी दी गई कि आज दिनांक 09/04/2025 को शलभ गुप्ता के नेतृत्व मै लिंक रोड के व्यापारियों के साथ एक प्रतिनिधिमंडल भोपा रोड से लिंक रोड जो गांधी कॉलोनी मै मिलती है काफी समय से टूटी पड़ी है जिसमे पूर्व मै भी पी डब्लू डी के अधिकारियो ओर नगर पालिका ई .ओ से मिला गया था नगर पालिका द्वारा तो अपनी सडक बनवा दी गई है परन्तु आज तक पी.डब्लू. डी द्वारा सडक का कोई निर्माण नही किया गया जिसके कारण वहा सड़को पर गड्ढे ओर पानी भर जाता है कीचड़ रहती है जिसके कारण वहा के व्यापार चौपट हो गये दूसरा आये दिन एक्सीडेंट होते है इस रोड पर अच्छे रेस्टुरेंट्स ओर पार्टी होल्स है जो सब मंदी की मार झेल रहे है इसी समस्या को लेकर आज मुज़फ्फरनगर के जिलाधिकारी श्री उमेश चंद मिश्रा जी से मिलकर उन्हे व्यापारियों की समस्या से अवगत कराया डी.एम. साहब ने तुरंत पी.डब्लू.डी. अधिकारियो से बात की ओर 2 महीने के अंदर सडक का उच्च गुणवत्ता के साथ निर्माण करने को कहा ओर व्यापारियों को आशवासन दिया की शीघ्र ही आपकी सडक का निर्माण हो जायेगा। डी. एम साहब की हर व्यक्ति की बात को ताल्लीनता से

सुनना ओर मौके पर ही उसका निदान करना की कार्य शैली की सभी ने प्रशंसा की ओर ऐसे अधिकारी को जिले की जरूरत बताया जो आम जनता के दुख् दर्द को समझता हो व्यापारियों द्वारा डी.एम. साहब को स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया गया। प्रतिनिधिमंडल मै शलभ गुप्ता,जनार्दन विश्वकर्मा,दीपक मित्तल सर्राफ, दर्शन सिंह, निखिल अरोरा, पवन अरोरा, अजय वर्मा मौजूद रहे।

नारी शक्ति आगे बढ़ेगी तभी नया भारत बनेगा: हेमा मालिनी

–300 महिलाओं को मातृ और शिशु स्वास्थ्य का दिया प्रशिक्षण

–इंडियन ऑयल का सीएसआर प्रोजेक्ट 'सेहत सहेली' के तहत हुआ आयोजन

मथुरा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा संचालित सीएसआर के अंतर्गत ष्सेहत सहेलीष् के तहत 300 महिलाओं को मातृ और शिशु स्वास्थ्य का प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि देश के ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना है कि श्नारी शक्ति को आगे बढ़ाना है, तभी नया भारत बनेगा।श् जब एक महिला जागरूक होती है, तो पूरा समाज प्रगति करता है।ष् इंडियन ऑयल की इस पहल ने यह सिद्ध कर दिया कि जब उद्योग, सरकार और समाज मिलकर कार्य करते हैं, तो सामाजिक बदलाव संभव होता है। यह कार्यक्रम केवल एक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि समाज में आंदोलन की एक शुरुआत है। विशिष्ट अतिथि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड उत्तरी क्षेत्र इस कार्यक्रम में भाग लेने वाली 300 सेहत सेहलियों को नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएसडीसी) प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भवती और धात्री महिलाओं को ष्मातृ वात्सल्य पोषण किटष् भी वितरित की गई। जिले के उन ग्राम प्रधानों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाई और इसे ज़मीनी स्तर तक पहुँचाने में सहयोग दिया। पाइपलाइंस के कार्यकारी निदेशक शैलेश तिवारी व आईओसीएल एनआरपीएल के महाप्रबंधक धर्मेन्द्र खन्ना तथा उप महाप्रबंधक भानु प्रकाश पोद्दार उपस्थित रहे।

विश्वनाथ इकाई की महिला का गोष्ठी संपन्न

विश्वनाथ। शहर समता महिला काव्य मंच विश्वनाथ इकाई –(असम) की मासिक काव्य गोष्ठी सैयदा आनोवारा खातून जी की संजोजन में विश्वजीत चौवे जी के संचालन में और विनय कुमार जी के अध्यक्षता में आज का गोष्ठी सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। मंच का शुभारम्भ जिलाध्यक्षा सैयदा आनोवारा खातून जी ने सरस्वती की मूर्ति पर फूल माल्यार्पण कर , द्वीप प्रज्जविलत किया साथ ही विश्वजीत चौवे जी ने एक सुंदर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति प्रदान किया ! आज के मंच पर उपस्थित सभी कवि–कवयित्री ने फिल्मी जगत के एक महान शख्सियत 'मनोज कुमार जी के निधन पर जहां सारे देश शोक मना रहे थे इसी कारण विश्वनाथ इकाई असम के साहित्यकारो ने भी कविता मंच पर उस दिग्गज कलाकारों को श्रद्धांजलि अर्पित कर एक मिनट समय दिग्गज आत्मा शांति के लिए मौन प्रार्थना की और मंज पर उपस्थित सभी कवि –कवयित्री ने मनोज जी के फिल्म के गीत श्रद्धांजलि स्वरूप गुनगुनाए और उनको याद कर सभी ने नतमस्तक किया। भारत के एक ऐसे अदाकारा जो अपने सारे फ़िल्मों में देश भक्ति का छाप छोड़ गये पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के ष्जय जवान जय किसानष् नारों को भी अपने ष्पुकार षफिल्मी के जरिए दर्शकों को एक कुशल किसान बन देश को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित कर प्रेरणा प्रदान किया । मनोज कुमार जी वह भारत के एक मात्र अभिनेता थे जिनके नाम के साथ –देश का नाम राष्ट्र का नाम जोड़ा गया और ष्भारत कुमारष् नाम से सम्मानित किया गया था। आज के कविता मंच ष्राम नवमी ष्के पावन दिवस पर उपस्थिति सभी कलमकारों ने राम जी पर आधारित कविता,दोहे छंद आदि की सुंदर ,सुंदर प्रस्तुतियां प्रदान किया।

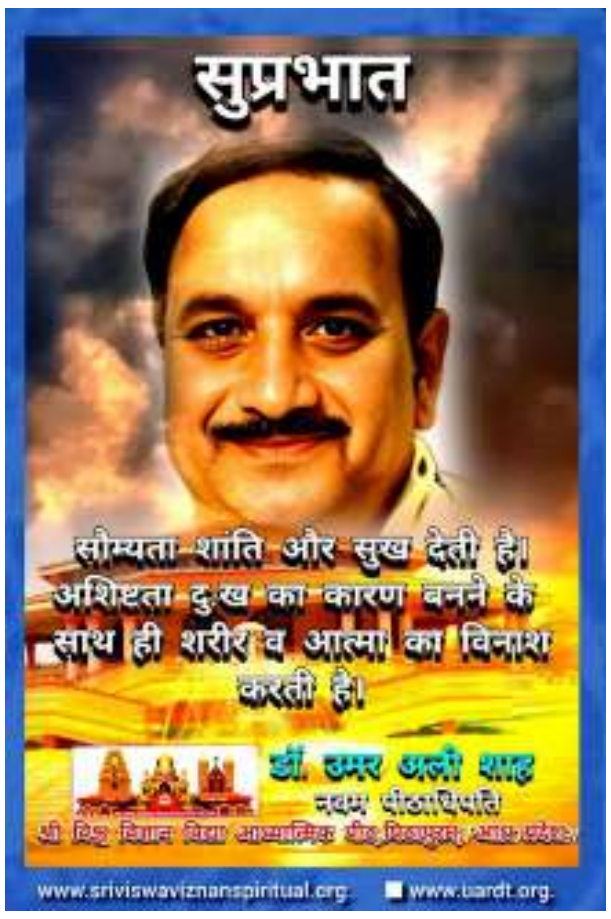

गाँव वृक्ष के संग

(कुण्लिया)

दुपहरिया में धूप ने,दिखलाया जब रंग।
शहरों में एसी चला,गाँव वृक्ष के संग।
गाँव ,वृक्ष के संग,प्रकृति की बातें करते।
पीकर सतुआ घोल,खुशी से हैं वह रहते।
इनको देख प्रदीप, कहें इनकी दिनचरिया।
रूके न इनके हाथ,खड़ी चाहे दुपहरिया।।

आँख मूँदकर मत रहें,देखें उनका ढ़ग।
मौसम के अनुसार ही,बदल रहे हैं रंग।
बदल रहे हैं रंग, साध अपना हित हरदम।
बोतल में भर नीर,बताते हैं है जमजम।
सुन लो कहे प्रदीप,लिखो अब अपनो को ख़त।
रहें हमेशा साथ, ,मगर आँख– मूद मत।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आरेडिका में संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली पर कार्यशाला का आयोजन

रायबरेली सआरेडिका में राजभाषा विभाग के तत्वावधान में तथा प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी/बनारस रेल इंजन कारखाना के डा0 संजय कुमार सिंह ने संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली पर विस्तृत चर्चा की एवं बताया कि समिति के प्रश्नों का जबाव कैसे दिया जाय। जिससे समिति के सदस्यों के

सामने अपने राजभाषा विभाग एवं संस्था प्रमुख की सकारात्मक छवि बने। डा0 सिंह ने आरेडिका के विभिन्न सेवा भवनों एवं कॉलोनी के नाम जैसे– भागीरथी, गंगा, गोमती, गंधमादन, मन्दार, अस्किनी, वितिस्ता, आदि के भारतीय संस्कृति से जुड़े होने पर प्रसन्नता जाहिर की। हिन्दी भाषा के विकास में अमीर खुसरों, तुलसीदास, महात्मा गांधी, संविधान सभा के गणमान्य सदस्यों के योगदान पर चर्चा की। आरेडिका के महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र ने ''प्रगति'' पत्रिका के सितम्बर एवं दिसम्बर अंक में प्रकाशित कविता, कहानियाँ, संस्मरण, प्रेरक लेख इत्यादि रचनाओं के रचनाकारों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यशाला में आरेडिका के महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी अष्टानन्द पाठक, राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालय, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईटीआई रायबरेली, आईटीबीपी, राष्ट्रीय फैशन तकनीक संस्थान सहित उच्च अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

भोपा में हनुमान जयंती शोभायात्रा की तैयारी हुई शुरू

भोपा। आगामी 12 अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर भोपा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसकी तैयारी आरंभ हो गई है। कार्यक्रम को लेकर कस्बे में उत्साह का माहौल है। सेवार्थ क्लब भोपा के मन्त्री अजय कुमार जैन जानकारी देकर बताया कि हनुमान जयंती के अवसर पर भोपा में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा आगामी 11 अप्रैल की सुबह 7रू00 बजे हवन

यज्ञ के उपरांत कार्यक्रम आरम्भ होगा शाम के समय सुंदरकांड पाठ किया जाएगा।13 अप्रैल को कस्बे में शोभा यात्रा निकल जाएगी जिसमें सुंदर झांकियां का प्रदर्शन किया जाएगा 14 अप्रैल को विशाल भंडारे का आयोजन होगा कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, क्षेत्रीय विधायक मिथलेश पाल, पूर्व विधायक विक्रम सैनी ग्राम प्रधान तरुण धीमान व रविंद्र प्रधान आदि कार्यक्रम मे भाग लेंगे।सेवार्थ क्लब के अध्यक्ष प्रदीप वालिया, महामंत्री राकेश कुमार, मंत्री सचिन धीमान आदि विशेष सहयोगी के रूप में रहेंगे।

सम्पादकीय.....

टैरिफ का कहर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मनमाने टैरिफ हमले और चीन की जवाबी कार्रवाई से विश्व के तमाम शेयर बाजार लहूलुहान हुए हैं। कई अन्य देशों की भी जवाबी कार्रवाई के फैसले से दीर्घकालीन व्यापार युद्ध की आशंका बलवती हो गई है। जिससे पूरी दुनिया में मंदी आने की चेतावनी दी जा रही है। निश्चित तौर पर इससे आर्थिक विकास पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस संशय और अनिश्चितता के चलते शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली से दुनिया के तमाम शेयर बाजार ध राशायी हुए हैं। निवेशकों को लाखों करोड़ का नुकसान हो रहा है। आने वाले समय में टैरिफ वॉर के और बढ़ने की आशंका है क्योंकि चीन ने नौ अप्रैल को होने वाली विश्व व्यापार संगठन की बैठक में 'नई व्यापार चिंता' के रूप में अमेरिका की टैरिफ नीति का मुखर विरोध करने का फैसला किया है। चीन का मानना है कि अमेरिका के एकतरफा संरक्षणवाद का दुनिया के देशों को विरोध करना चाहिए, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रणाली की सुरक्षा के लिये एक व्यापक गठबंधन बनाने की जरूरत बतायी है। इन हालात में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय दबाव के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ थोपने के फैसले को वापस लेंगे? या फिर पहले की तरह टैरिफ लगाने की धौंस देते रहेंगे। वैसे इस बात की संभावना कम ही है कि जिद्दी ट्रंप अपने बढ़े कदमों को पीछे खींचेंगे। यहां सवाल यह भी है कि ट्रंप के टैरिफ का जवाब देने वाले देश पलटवार करने में कितने सक्षम हैं। वहीं भारत ने दीर्घकालीन व व्यापक हितों को देखते हुए टकराव टालने का प्रयास किया है और बातचीत का रास्ता चुना है। लेकिन इस अनिश्चितता के दौर में निवेशकों में बढ़ती असुरक्षा ने भारत सरकार पर नीतिगत फैसले लेने के लिये दबाव बनाया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी संभावना है कि चीन व प्रतिकार करने वाले अन्य देशों के दबाव के कारण ट्रंप अपनी आक्रामक रणनीति को लंबे समय तक जारी नहीं रख पाएंगे। विडंबना यह है कि अमेरिका राष्ट्रपति के इन कदमों से खुद अमेरिका के लिये भी बड़ी आर्थिक चुनौती पैदा हो सकती है। येल विश्वविद्यालय में बजट लैब के एक विश्लेषण के अनुसार ट्रंप सरकार के प्रतिशोधात्मक टैरिफ से औसत अमेरिकी परिवार को सालाना चार हजार दो सौ डॉलर का नुकसान उठाना पड़ सकता है। इतना ही नहीं अमेरिका में मंदी और तेज मुद्रास्फीति का खतरा भी मंडरा रहा है। वहीं भारत जैसे अन्य विकासशील व विकसित देशों को आशा है कि वैश्विक व घरेलू दबाव ट्रंप को उनकी भूल का अहसास कराएगा। जिससे वे अधिक आर्थिक अराजकता पैदा करने वाले फैसलों से पीछे हटेंगे। वैसे एक हकीकत यह भी है कि अमेरिका अपने कई उत्पादों के लिये अन्य देशों पर निर्भर है। उसके उद्यमियों ने भी दूसरे देशों में औद्योगिक यूनिट लगा रखे हैं। ऐसे में उन देशों पर टैरिफ लगाने से अमेरिकी जनता द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं के दाम भी स्वाभाविक रूप से बढ़ेंगे। यही वजह है कि अमेरिका के शेयर बाजारों में भी बड़ी गिरावट देखी गई है। जिसका असर पूरी दुनिया पर भी दिख रहा है और स्थितियां कोरोना काल के संकट जैसी बन गई हैं। वैसे आज भी दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाएं कोरोना काल से पूर्व की आर्थिक स्थिति पर लौटने के लिये संघर्षरत हैं। कमोबेश ये स्थितियां बड़े आर्थिक संकट की आहट दे रही हैं। जिसकी वजह है कि अमेरिका समेत अन्य देशों में निवेश बाधित होने, उत्पादन में गिरावट, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान से वैश्विक स्तर पर महंगाई उत्पन्न होने की चिंताएं बढ़ रही हैं। जिसका तमाम क्षेत्रों पर असर पड़ने से आम लोगों का जीवनयापन कठिन होता जाएगा। खपत कम होने से अर्थव्यवस्था का चक्र धीमा हो जाएगा। यही वजह है कि ट्रंप के मनमाने टैरिफ युद्ध से दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाएं खुद को बचाने की जद्दोजहद में जुटी हैं। हालांकि, खुद अमेरिका भी इसके दुष्परिणामों से अछूता नहीं रहेगा। निवेशकों की घबराहट से उसकी अर्थव्यवस्था भी चरमराएगी। आने वाले वक्त में उसके दांव ही उलटे पड़ने वाले हैं। घोर संरक्षणवाद के चलते वह कालांतर में शेष दुनिया से कट जाएगा।

वाम राजनीति की नयी उम्मीद

एमए बेबी

छात्र राजनीति (स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया) से मुख्य धारा की राजनीति में आने वाले बेबी को आपातकाल में छात्रों व युवाओं को संगठित करने के कारण जेल भी जाना पड़ा था।

कई चुनौतियों के बीच केरल के वरिष्ठ साम्यवादी नेता मरियम एलेक्जेंडर बेबी को देश के सबसे बड़े वामपंथी दल– कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्किसस्ट) ने रविवार को अपना नया महासचिव नियुक्त किया। पिछले वर्ष 12 सितम्बर को सीताराम येचुरी के निधन के बाद से यह पद रिक्त था जो उन्होंने लगभग 9 साल तक सम्हाला था। तमिलनाडु के मदुरै में सम्पन्न पार्टी के 5 दिवसीय सम्मेलन के अंतिम दिन उन्हें यह पद दिया गया। उनके खिलाफ खड़े महाराष्ट्र के ट्रेड यूनियन नेता डीएल कराड़ को सिर्फ 31 वोट मिले। सीपीआई (एम) की केरल शाखा से पार्टी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पद सम्हालने वाले वे दूसरे नेता हैं– दिग्गज ईएमएस नंबूदरीपाद के पश्चात। पार्टी द्वारा हाल ही में 75 साल की उम्र सीमा का नियम लागू करने के बाद पूर्व महासचिव प्रकाश करात, वृंदा करात, सूर्यकांत मिश्रा, सुभाषिनी अली, माणिक सरकार और जी. रामकृष्णन जैसे वरिष्ठ नेता पोलित ब्यूरो से बाहर हो गये थे। केवल 79 वर्षीय केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को रणनीतिक कारणों से रखा गया है। पोलित ब्यूरो में 8 नए सदस्य शामिल हुए, वे हैं– त्रिपुरा विधानसभा में विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी, तमिलनाडु के पूर्व सीपीएम सचिव के. बालाकृष्णन व ट्रेड यूनियन नेता यू. वासुकी, सीकर (राजस्थान) के सांसद अमरा राम, श्रीदीप भट्टाचार्य (पश्चिम बंगाल), अखिल भारतीय किसान सभा के महासचिव विजू कृष्णन, अखिल भारतीय लोकतांत्रिक महिला संघ की महासचिव मरियम धावले और पूर्व छात्र नेता आर. अरुण कुमार। येचुरी के मुकाबले बेबी को वैचारिकी के स्तर पर अनुदार नेता माना जाता है। छात्र राजनीति (स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया) से मुख्य धारा की राजनीति में आने वाले बेबी को आपातकाल में छात्रों व युवाओं को संगठित करने के कारण जेल भी जाना पड़ा था। वे केरल के शिक्षा मंत्री रहे तथा लोकसभा सदस्य भी रहे। वे ऐसे वक्त में पार्टी का यह अहम पद सम्हाल रहे हैं जब कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। ये चुनौतियां संगठनात्मक हैं तो वहीं विधानसभा–लोकसभा में घटता प्रतिनिधित्व भी। इसके साथ ही राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक मोर्चों पर उसका कम होता हस्तक्षेप भी दल के लिये चिंता का विषय है। पिछले 11 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जिस प्रकार से दक्षिणपंथी विचारधारा को देश भर में फैलाया है, उसका माकूल जवाब देने में वामपंथी दल लगातार नाकाम साबित हो रहे हैं। ऐसा केवल सीपीएम ही नहीं वरन देश के दूसरे बड़े साम्यवादी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) के बारे में भी कहा जा सकता है। फिर, दोनों दलों के बीच एकता की आशा तो दूर, अब देखना होगा कि क्या तालमेल भी सम्भव है। जो वाम मोर्चा 2004 में बनी कांग्रेस प्रणीत यूपीए सरकार के दौरान मौजूद था, वह अब अस्तित्व में इसलिये भी नहीं है क्योंकि संसद में उसकी उपस्थिति क्षीण है। याद हो कि 2004 में इसे 44 सीटें मिली थीं। आज वह 4 पर सिमटी हुई है। इनमें भी तीन उसे सहयोगी दलों के सहयोग से हासिल हो सकीं। पश्चिम बंगाल में लगभग तीन दशक तक सरकार चलाने के बाद वहां तृणमूल कांग्रेस व भाजपा ने उसका पूर्ण सफाया कर रखा है। यहां उसका लोकसभा व विधानसभा में एक भी सदस्य नहीं है। त्रिपुरा में ईमानदारीपूर्वक काम करने के बावजूद 2023 में उसकी सरकार जाती रही। हालांकि वहां वह मुख्य विपक्षी दल है। उसका एक सदस्य यहां से लोकसभा में है। त्रिपुरा का चुनाव चाहे दूर हो लेकिन पश्चिम बंगाल का चुनाव अगले साल ही है। दोनों ही राज्यों में पार्टी को अपना संगठन मजबूत करते हुए चुनावी तैयारियां प्रारम्भ करनी होंगी। खासकर, प. बंगाल में पहले। बेबी के अपने गृह प्रदेश केरल में जरूर माकपा सरकार है लेकिन वहां कांग्रेस का जनाधार बढ़ रहा है। खासकर, वहां की वायनाड सीट से प्रियंका गांधी ने जैसी बड़े अंतर वाली जीत हासिल की, उससे साफ है कि यहां कांग्रेस की भी उसे चुनौती मिलेगी। यहां लेफ्ट डेमोक्रेटिक गठबन्धन की सरकार है जिसका नेतृत्व सीपीएम करती है। केरल में भी अगले वर्ष के मध्य में विधानसभा चुनाव हैं। सत्ता को बनाये रखना चुनौती है। यहां से भाजपा का एक सदस्य भी पिछले लोकसभा चुनाव में जीतकर आया है जो बताता है कि एक और नयी राजनीतिक शक्ति यहां उभर रही है जिसका आंशिक खतरा सीपीएम को है। मदुरै सम्मेलन में तय किया गया है कि केरल के वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की ही तर्ज पर वह अन्य जगहों पर सरकार बनाने की कोशिश करेगा।

दलितों के नाम पर जहर उगलने वाले, समाज में जाति धर्म की खाई खोदने वाले अवश्य पढें

डॉ. अ कीर्ति वर्धन
53 महालक्ष्मी एनक्लेव
मुज़फ़्फ़रनगर उ प्र
8265821800

सन्दर्भ ग्रन्थ – जन्म मृत्यु विज्ञान (योगीमनोहर)
– कार्तवीर्यार्जुन पुराण

वर्णाश्रम एवं चातुर्वर्ण्य

वैदिक परम्परा में वर्णाश्रम धर्म एवं चार वर्णों को आधार माना जाता है। परन्तु वर्तमान में इसका जो रूप हमें दिखायी देता है, वह शास्त्रों की परिभाषा के विपरीत है। वर्णाश्रम व्यवस्था एवं चातुर्वर्ण्य व्यवस्था सदैव ही समाज में रही है और रहेगी। अगर हम कहें कि वैश्धविक किरणें (बवे. उपब तंले) प्रत्येक वस्तु या वाणी पर अपना प्रभाव डालती हैं, तो यह मात्र हमारी कल्पना नहीं अपितु अटल सत्य है। वर्णाश्रम व्यवस्था चातुर्वर्ण्य व्यवस्था सम्पूर्ण मानव जाति की वास्तविक अवस्था है, जिसका अचेषण एवं धारणा वैदिक परम्परा के ऋषि–मुनियों ने की थी। आज हिन्दु समाज में जिस जाति व्यवस्था, ऊँच नीच का भेदभाव या छूआछूत की बात होती है वह वैदिक वर्णाश्रम व्यवस्था एवं चातुर्वर्ण्य व्यवस्था में कहीं नहीं है। वर्तमान व्यवस्थायें स्वार्थी एवं पाखंडी लोगों एवं तथाकथित धर्म एवं सत्ता के गठजोड़ की ही देन हैं।

फिर वर्णाश्रम एवं चातुर्वर्ण्य व्यवस्था क्या है? इसका उत्तर जानने के लिये हमें शास्त्रों को खंगालना होगा। हमारे शास्त्र स्पष्ट रूप से कहते हैं कि वर्णाश्रम व्यवस्था से मानव को धर्म की उन्नति होगी। शास्त्र कहते हैं 'पिंडे पिंडे मतिभिन्ना' यानि हर व्यक्धति का धर्म अलग होता है। अगर ऐसा हुआ तो संसार में अनगिनत धर्म खड़े हो जायेंगे। परन्तु यहाँ धर्म का मतलब नहीं अपितु व्यक्धतिगत धारणा की अवस्था है। पिता, माता, पुत्र, भाई, बहन सबका धर्म अलग–अलग हो सकता है। इसीलिये शास्त्रों ने धर्म की व्याख्या की है "धारणात्द धर्मा इत्याहूरू धर्मो धारयते प्रजारू"। ब्रह्ध्माण्ड में जो अनन्त शक्धतियाँ सदा बहती रहती हैं, उनको सुयोग्य धारणा एवं उनसे जनकल्याण के उपाय करना ही धर्म है।

वर्णाश्रम धर्म का व्यापक अर्थ स्वयं इसी में छुपा है। वर्ण यानि दिव्य रंग जो प्रत्येक व्यक्धति के शरीर के चारों ओर रहने वाले प्रकाशवलय में रहता है। यह प्रकाशवलय, व्यक्धति गुण, स्वभाव के अनुसार प्रभावित होकर उसका तेजोवलय (ान्त।) बनकर दिखाई देता है। दिव्य योगी एवं सन्त इस तेजोवलय को देखने में सक्षम होते हैं, हाँ आज विज्ञान भी इसे स्वीकार करता है एवं विशेष यन्त्रों से देखने में सक्षम है। इस तेजोवलय को व्यक्धति के गुण स्वभाव एवं प्रकृति के आधार पर वैदिक धारणा में विभिन्ध वर्णों में बाँटा गया, जिसे वर्णाश्रम कहा गया। उदाहरणार्थ – अत्यन्त शुद्ध आचार विचार वाले व्यक्धति के तेजोवलय का वर्ण शुक्ध्ल रहता है। शास्त्रों में ऐसे व्यक्धति को ब्राह्मण कहा गया। इसमें जाति, मजहब का कोई आधार नहीं है। चातुर्वर्ण्य व्यवस्था का उद्घ्गम इसी प्रकार के वर्णाश्रम धर्म से हुआ। इस प्रकार चातुर्वर्ण्य एवं वर्णाश्रम व्यवस्था, गुण, कर्म, स्वभाव एवं संस्कारों पर निर्भर है, न कि जन्मजात व्यक्धति व्यवस्था पर। यह एक दिव्य प्राकृतिक अवस्था है। वैदिक परम्परा ने यह दिव्य अवस्था का अध्ययन कर समाज के कल्याण एवं सुचारू संचालन के लिये कुछ नियम बनाये जिन्हें वर्णाश्रम धर्म एवं चातुर्वर्ण्य व्यवस्था कहा गया। श्रीगीता में चातुर्वर्ण्य के बारे में स्पष्ट कहा गया है।

चातुर्वर्ण्य मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः।

वस्य कर्तारमपि मां विद्धयकर्तारमक्ष्ययम्द ध

जन्मतः कोई ब्राह्मण नहीं है। जन्मतरू सारे शूद्र हैं। उत्तम संस्कारों के कारण कोई भी ब्राह्मण बन सकता है। शास्त्रानुसार –

जन्मता जायते शूद्रः संस्कारात्द्विज उच्यते।"

फिर ब्राह्मण कौन है? जो ब्रह्म जानता है वही ब्राह्मण है

"ब्रह्म जानाति ब्राह्मणः।

चातुर्वर्ण्य में ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शुद्र चार वर्णों का निर्धारण मनुष्य के चतुर्विध पुरूषार्थ पर निर्धारित कर दिया गया।

ब्राह्मण – वैदिक परम्परा का मुख्य ध्येय आदर्श ब्राह्मण बनना है। इसके अनुसार कोई भी सुयोग्य आचार, विचार का पालन कर ब्राह्मण बन सकता है। जिसका आचार, विचार आध्यात्मिक भाव का यानि ब्रह्मा को जानने का है, वही ब्राह्मण बन सकता है। ब्राह्मण बने व्यक्धति का तेजोवलय शुक्ल वर्ण का होता है। अर्थात शुक्ल दिव्य वलयवर्ण का व्यक्धति ब्राह्मण है। ऐसा व्यक्धति आध्यात्म साधना एवं चिन्तन में लिप्त रहता है तथा कामिनी, कंचन एवं कीर्ति से बचकर रहता है। उपनिषद के अनुसार शुक्ल वर्ण दिव्यवलय वाला व्यक्धति किसी भी जाति, धर्म अथवा त्वचा के रंग का हो, ब्राह्मण ही कहलायेगा। जैसा की ऊपर भी लिखा गया है कि जन्म से सब शूद्र हैं, अतः कोई भी सुयोग्य साधना कर ब्राह्मण बन सकता है ब्राह्मण समाज के आदर्श का प्रतीक है न कि जाति व्यवस्था का।

क्षत्रिय – जो अपने क्षेत्र की रक्षा करता है वह क्षत्रिय है। प्रश्न उठता है कि कौन सा क्षेत्र? श्री गीता में कहा गया है–

इदं शरीरं कौन्तेय क्षेत्र मित्ययिधीयते ।

एतद्यो वेत्धति तं प्राहुः क्षेत्रज्ञ इतितद्विदः ध

आशय यह है कि अपना शरीर ही वह क्षेत्र है तथा जो शरीर की रक्षा कर वह क्षत्रिय है। कहा गया है कि सर्वसाधना का पल उपकरण है जिसकी आत्मसाधना के कारण रक्षा करना आवश्यक है। शरीर की रक्षा शरीर के लिये नही वरण आत्मसाधन के लिये जरूरी है। आत्मसाधना का फल आत्मज्ञान या ब्रह्मज्ञान होते हैं। परन्तु सभी एकदम से ब्रह्मज्ञानी नहीं बन सकते। इस उच्च अवस्था तक पहुँचने के लिये आत्मसाधना करनी पड़ती है। आत्मसाधना के लिये शरीर की रक्षा करना आवश्यक है। अतः जो साधक नियमबद्ध रहकर शरीर की रक्षा करता है वह क्षत्रिय कहलाता है। इस प्रकार अपना स्वास्थ्य एवं कृतिक्षेत्र की रक्षा करने वाले जन जहाँ भी होंगे वे उस समाज के क्षत्रिय माने जायेंगे। क्षत्रिय के सम्बन्ध में पुराणों में परशून्य कथा का उल्लेख है कि उन्होंनें पृथ्वी को इक्ध्कीस बार निःक्षत्रिय किया था यहाँ पृथ्वी से तात्पर्य वह स्थान जिसकी क्षत्रिय रक्षा करता है अर्थात सम्पूर्ण शरीर से है। फिर वह कौन से क्षत्रिय हैं जिन्हें परशुराम ने मार डाला। जब हम अपने कृतिरक्षण की अवस्था से आगे बढ़ते हैं तब हम क्षत्रिय से ब्राह्मणत्व की ओर बढ़ते हैं। कृतिशून्य साधक ही ब्राह्मण है। हमारे शास्त्रों में बताया गया है कि हमारा अस्तित्व इक्ध्कीस सूक्ष्म–सूक्ष्मतर अवस्थाओं में रहता है। हर एक अवस्था को लेकर साधक की कृतियाँ उसी आधार से रहती हैं। हमारी पंचकर्मेन्द्रियां, पंचज्ञानेन्द्रियां, पांच तन्यात्राएं एवं पचं महायत्रों को लेकर कुल बीस तत्वास्थाएं हैं। इन बीस तत्वास्थाओं को संचालित करने वाला इक्ध्कीसवाँ हमारा मन है। इन इक्ध्कीस अवस्था में स्थित आग्रही मनरूप या कृतिरूप क्षत्रियों का संहार करना ही ब्राह्मण बनने की इच्छा करने वाले परशुराम के लिये आवश्यक था। इस प्रकार परशुराम ने ब्राह्मण बनने के लिये अपने शरीररूपी पृथ्वी से सभी इक्ध्कीस कृतियों पर विजय पायी।

वैश्य – 'विश' यानि प्रजा तथा वैश्य यानि प्रजा का पोषण करने वाला। प्रजा यानि कृतिरूप अवस्था। आध्यात्म साधना जिन कृतियों का पोषण करना स्वीकार करते हैं उन्हें शास्त्र वैश्य कहते हैं। कुछ साधक सारे जीवन तक एक ही कृति को धारण कर कर्मठता से मग्न रहते हैं, और अपनी कृति का पोषण करते हैं, शास्त्रकार उन्हें वैश्य कहते हैं। अपने कर्म विशेष में मशगूल रहना, कर्मठता के साथ आगे बढ़ना, अपनी कृति के पोषण में लगे रहना वाला व्यक्धति वैश्य है। वैश्य कृति के व्यक्धति का स्वभाव संचय के साथ–साथ मुक्ध्त मन से दया, धर्म देश के प्रति निष्ठावान्द एवं दानी होता है। धर्म की परिभाषा है "यतोम्यूदय निःश्रेयस सिद्धिः स धर्मः" इस परिभाषा के धारण करने वाला व्यक्धति/साधक ही वैश्य है।

शूद्र – जिस साधक को थोड़ी भी साधना करने के बाद उसका आविर्भाव या अहंकार अधिक हो जाता है, यह कुछ करने के पश्च्चात्द चित्त का उद्रेक अधिक हो जाता है, ऐसे व्यक्धतियों को शास्त्रों में शू–उद्रः यानि शूद्रः कहा जाता है। शूद्र जाति नहीं वरण वृत्तिविस्फोट है। ऐसे शूद्र वृत्ति वाले मनुष्य प्रत्येक समाज में बहुलता में पाये जाते हैं। इसलिये ऐसे व्यक्धतियों को वृत्तिउद्रेक शान्त करने के लिये, विनम्र बनने के लिये सन्त, महात्मा, भगवान, ब्राह्मण या अन्यों की सेवा करने के लिये कहा जाता है ताकि उनका भावनाउद्रेक का अहंकार कम हो सके। जिन साधकों में साधना के कारण अहंकार आता है वह शूद्रकृत्ति के साधक साधना ही न करें, यह अच्छा है। इसलिये शुद्रों के लिए तप या साधना करना मना किया है। शूद्र केवल संतजनों के सेवा फिर वही उसका धर्म है।

उपरोक्ध्त तथ्यों से स्पष्ट है कि वर्ण यानि हर एक व्यक्धति के चारों ओर एक तेजोवलय होता है। प्रत्येक वृत्ति का अलग वयविलय होता है जिस व्यक्धति का वर्ण वलय शुक्ल होगा वह ब्राह्मण, जिसका ताम्रवर्यी वह क्षत्रिय, पीतवर्ण वाला वैश्य तथा शूद्रों का वर्ण वलय कृष्ण, श्याम या काला होता है। इस वर्णवलय में किसी भी जाति, समाज या धर्म का वर्गान्तर नहीं होता है।

मोदी और ट्रम्प बहुत बड़ी भूल करने में भी एक समान

के रवींद्रन

डोनाल्ड ट्रम्प और नरेंद्र मोदी एक–दूसरे के लिए प्रशंसा व्यक्त करते नहीं थकते। उनका परस्पर सम्मान एक अजीब अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक सौहार्द्र का आभास देता है, जो निर्विवाद है। जो चीज उन्हें जोड़ती है, वह केवल साझी विचारधारा नहीं है, बल्कि लोकलुभावनवाद, कथित देशभक्ति, और प्रायरू नाटकीय परन्तु लापरवाह निर्णय लेने की प्रवृत्ति से आकार लेने वाला एक समान विश्वदृष्टि है। मोदी का आत्मनिर्भर भारत, एक मजबूत राष्ट्रवादी झुकाव के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता का आह्वान है, जो ट्रम्प के अमेरिका फर्स्ट बयानबाजी को दर्शाता है। दोनों नेता एक ऐसा दृष्टिकोण पेश करते हैं जो राष्ट्रीय गौरव के लिए एक भावनात्मक, लगभग नाटकीय अपील से अपनी शक्ति प्राप्त करता है, जो स्वायत्तता और शक्ति के भ्रम से घिरा हुआ है। दोनों ही राष्ट्रीय नीति को व्यक्तिगत धर्मयुद्ध के रूप में पुनः ब्रांड करने में माहिर हैं, फिर भी छाती पीटने वाली इस सतह के नीचे स्तर के शासन में एक पैटर्न छिपा हुआ है जो कि सार से अधिक दिखावे से और रणनीति से अधिक भावना से चिह्नित है। इस संबंध में, ट्रम्प की श्मुक्ति दिवसश पहल मोदी के विमुद्रीकरण प्रयोग से एक अजीब समानता रखती है– एक भयावह गलत अनुमान जो मास्टर स्ट्रोक के रूप में प्रच्छन्न है। 2016 में मोदी के विमुद्रीकरण – अचानक और बहुत कम योजना के साथ घोषित – ने भारत की 86 प्रतिशत मुद्रा को रातोंरात अमान्य कर दिया। यह कथित तौर पर काले धन, नकली मुद्रा और आतंकवाद के वित्तपोषण को जड़ से खत्म करने के लिए बनाया गया था, लेकिन यह जल्दी ही अराजकता में बदल गया। छोटे व्यवसाय ध्वस्त हो गये, मजदूरों ने शहरों से पलायन कर लिया और एटीएम के बाहर लंबी कतारें आर्थिक कुप्रबंधन का भयावह प्रतीक बन गयीं। विशेषज्ञों द्वारा खतरे की घंटी बजाये जाने के बावजूद, मोदी ने अपना मसीहावादी लहजा बरकरार रखा और नागरिकों से उज्ज्वल भविष्य के लिए मात्र 50 दिन की कठिनाई सहने का आग्रह किया। डोनाल्ड ट्रम्प के तथाकथित मुक्ति दिवस, व्यापक टैरिफ के एक नये दौर की नाटकीय शुरुआत, ठीक उसी तरह के वैश्विक व्यवधान के साथ हुई है, जिसके बारे में आलोचकों ने चेतावनी दी थी। बाजार की प्रतिक्रियाएं तत्काल और क्रूर थीं। घोषणा के बाद पहले कुछ दिनों में यू.एस. स्टॉक इंडेक्स में तेजी से गिरावट आयी, जिसमें डॉ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज–800 से अधिक अंक गिर गया और नसदक को और भी ज़्यादा झटका लगा। अनिश्चितता में अचानक वृद्धि से निवेशक पीछे हट गये, आपूर्ति श्रृंखला एक बार फिर से क्रॉसहेयर में आ गयी और मुद्रास्फीति की आशंका फिर से भड़क गयी। टैरिफ युद्ध ने वैश्विक व्यापार के मूल में प्रहार किया है, जो अमेरिकी आर्थिक संप्रभुता को पुनरू प्राप्त करने की आड़ में चीन, यूरोपीय संघ और मैक्सिको सहित प्रमुख आर्थिक भागीदारों से आयात को लक्षित करता है। ट्रम्प ने साहस दिखाना जारी रखा है, यह आश्वासन देते हुए कि यह समस्या अस्थायी है, ठीक वैसे ही जैसे मोदी ने किया था जब उनका विमुद्रीकरण का तुगलकी दुस्साहस एक धोखा प्रतीत हुआ था। ट्रम्प टैरिफ का जवाब तेजी से दिया गया है। चीन ने स्वयं के काउंटर–टैरिफ के साथ जवाब दिया। यूरोपीय संघ व्हिस्की, मोटरसाइकिल और औद्योगिक वस्तुओं जैसे प्रमुख अमेरिकी निर्यातों को लक्षित करते हुए अपने स्वयं के प्रतिशोधात्मक उपायों की सूची का मसौदा तैयार करते हुए विश्व व्यापार संगठन में एक कानूनी चुनौती तैयार कर रहा है। मैक्सिको ने भी अन्य लैटिन अमेरिकी देशों के साथ समन्वित व्यापार प्रतिरोध का संकेत दिया है। ट्रम्प ने जो सपना देखा था कि डॉलर मजबूत होगा, वह भी अब नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रहा है। विश्व अर्थव्यवस्था के लिए दृष्टिकोण लगभग रातोंरात अंधकारमय हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने श्बढ़ते व्यापार तनाव और वैश्विक अनिश्चितता का हवाला देते हुए विकास पूर्वानुमानों को संशोधित किया है। उभरते बाजार, जो निर्यात और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण पर बहुत अधिक निर्भर हैं, आगे की अस्थिरता के लिए तैयार हैं। अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि निरंतर टैरिफ वृद्धि अगले वर्ष वैश्विक जीडीपी वृद्धि से पूर्ण प्रतिशत अंक कम कर सकती है। जिस तरह मोदी के विमुद्रीकरण में एक भव्य राष्ट्रवादी हस्तक्षेप के सभी लक्षण थे– सिस्टम को साफ करना, भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना, अर्थव्यवस्था को शुद्ध करना – ट्रम्प का लिबरेशन डे युद्ध, जीत की भाषा में लिपटा हुआ था, और अमेरिकी दृढ़ता को प्रतिबिंबित करता था। फिर भी दोनों ही बहुत अवैज्ञानिक थे, आंकड़ों के यथार्थ से कटे हुए थे, और संस्थागत परामर्श से रहित थे। संयुक्त राज्य अमेरिका में, अमेरिका फर्स्ट के लिए ट्रम्प के जल्दबाजी के प्रयास ने पहले ही भविष्य की परेशानी के बीज बो दिये हैं। दोनों नेताओं ने लोगों के जीवन और आजीविका के साथ जुआ खेला है, और जब चीजें गलत होती हैं, तो वे वास्तविकता का सामना करने के बजाय कहानी को फिर से लिखना चाहते हैं। एक गहरी, अधिक परेशान करने वाली समानता भी है–व्यक्तित्व का पंथ जो दोनों पुरुषों को जवाबदेही से बचाता है। मोदी और ट्रंप ने राष्ट्रीय मानस में अपने निजी ब्रांड इतने मजबूत कर लिए हैं कि उनके समर्थक अक्सर आलोचना को विश्वासघात के रूप में देखते हैं। भारत में, कई लोगों ने अराजकता को एक महान उद्देश्य के लिए आवश्यक दर्द के रूप में देखा, भले ही उद्देश्य को कभी स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया हो। अमेरिका में, ट्रंप का मुक्ति दिवस ट्रंप के मूर्ख दिवस के रूप में शुरू हुआ है। कोई यह तर्क दे सकता है कि विमुद्रीकरण और मुक्ति दिवस दोनों ही एक विशेष प्रकार की राजनीति की परिणति का प्रतिनिधित्व करते हैं–एक ऐसी राजनीति जिसमें भावनाएं तर्क पर हावी हो जाती हैं, जहां नारे रणनीति की जगह ले लेते हैं, और जहां अल्पकालिक दृष्टिकोण दीर्घकालिक परिणामों पर हावी हो जाते हैं। इस दुनिया में, नेताओं से परिणाम देने की अपेक्षा नहीं की जाती, बल्कि केवल इरादे को नाटकीय बनाने की अपेक्षा की जाती है। मोदी और ट्रंप, अपने सभी मतभेदों के बावजूद, इस भावनात्मक लोकप्रियता के वास्तुकार हैं, जो उपलब्धियों से नहीं बल्कि सतत टकराव, निर्मित संकटों और निर्णायक नेतृत्व के भ्रम से राजनीतिक वैधता का निर्माण करते हैं। त्रासदी यह है कि इन नाटकीय भूलों से सबसे अधिक पीड़ित लोग सबसे कमजोर हैं। भारत में, दैनिक वेतन भोगी, छोटे व्यापारी और ग्रामीण समुदाय विमुद्रीकरण के दुष्परिणामों का सामना कर रहे हैं। अमेरिका में, फ्रंटलाइन वर्कर्स, गिग इकॉनामी प्रतिभागी और हाशिए पर पड़े समुदाय सबसे ज़्यादा पीड़ित होंगे। फिर भी, मोदी और ट्रम्प द्वारा गढ़े गए राजनीतिक आख्यान इन कष्टों को देशभक्तिपूर्ण बलिदान में बदल देंगे, कठिनाई को नीति विफलता के बजाय राष्ट्रीय शक्ति के प्रमाण के रूप में पेश करेंगे।

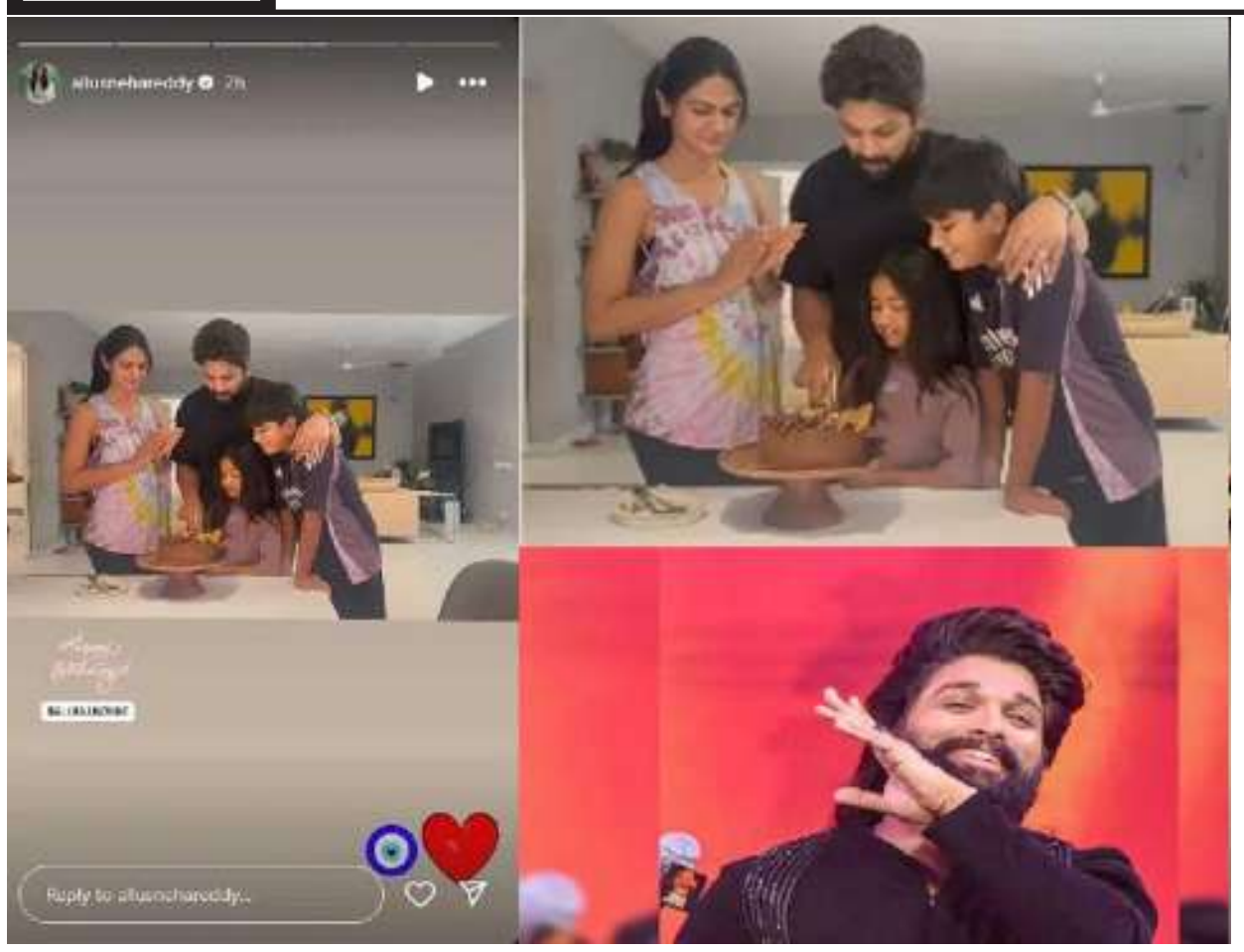

43 के हुए 'पुष्पा' स्टार अल्लू अर्जुन, परिवार संग मनाया जन्मदिन का जश्न

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन आज 43 साल के हो गए हैं। अभिनेता ने अपने जन्मदिन का जश्न परिवार के साथ मिलकर मनाया। अभिनेता की पत्नी स्नेहा रेड्डी ने सोशल मीडिया पर जन्मदिन की तस्वीर साझा कर झलक दिखाई है। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन आज 43 साल के हो गए हैं। अभिनेता ने अपने जन्मदिन का जश्न परिवार के साथ मिलकर मनाया। अभिनेता की पत्नी स्नेहा रेड्डी ने सोशल मीडिया पर जन्मदिन की तस्वीर साझा कर झलक दिखाई है। स्नेहा रेड्डी ने जश्न की तस्वीरों को इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "हैप्पी बर्थडे।" शेयर की गई तस्वीर में अल्लू अर्जुन पत्नी स्नेहा रेड्डी और दोनों बच्चों के साथ केक काटते नजर आए। अल्लू अर्जुन ने साल 2011 में स्नेहा रेड्डी से हैदराबाद में शादी की थी। अल्लू और स्नेहा के दो बच्चे हैं। उन्होंने बेटी का नाम अरहा और बेटे का नाम अयान रखा है। अल्लू अर्जुन की पिछली रिलीज पुष्पा 2 द रूल की बात करें तो बहुप्रतीक्षित फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल दिखाने में कामयाब रही। सुकुमार के निर्देशन में बनी फिल्म में अभिनेता अल्लू अर्जुन के साथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना हैं। पुष्पा 2 2021 की हिट फिल्म पुष्पा द राइज का सीक्वल है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफल हुई थी। अर्जुन अपने दमदार अभिनय और स्वैग के दम पर बॉलीवुड से लेकर साउथ इंडस्ट्री में काफी लोकप्रिय हो गए हैं। अभिनेता ने दो साल की उम्र में बतौर बाल कलाकार तेलुगू फिल्म शविजेताश से डेब्यू किया था। इसके बाद वह बाल कलाकार के तौर पर ही अभिनेता कमल हासन की फिल्म 'स्वाति मुथ्यम' में नजर आए। हालांकि, अल्लू अर्जुन को पहचान सुकुमार की फिल्म 'आर्या' से मिली। सुकुमार ने पुष्पा और पुष्पा 2 द रूल बनाई जो अल्लू अर्जुन के करियर की सबसे बड़ी सफलता साबित हुई। हालांकि, इस फिल्म का विवादों से भी नाता रहा। पुष्पा 2 द रूल हैदराबाद में फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी, जिसके बाद अर्जुन पर गैर–इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया था।

> साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन आज ४३ साल के हो गए हैं। अभिनेता ने अपने जन्मदिन का जश्न परिवार के साथ मिलकर मनाया। अभिनेता की पत्नी स्नेहा रेड्डी ने सोशल मीडिया पर जन्मदिन की तस्वीर साझा कर झलक दिखाई है। स्नेहा रेड्डी ने जश्न की तस्वीरों को इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "हैप्पी बर्थडे।"

विशाल ददलानी ने 6 साल बाद इंडियन आइडल को कहा अलविदा, घोषणा कर बोले–मुझे अपना समय वापस चाहिए

मशहूर गायक और संगीतकार विशाल ददलानी ने टीवी रियलिटी शो इंडियन आइडल को लेकर बड़ा फैसला लिया है। छह सीजन तक इस पैनल में जज रहने के बाद सिंगर ने इस शो को अलविदा कह दिया है। उन्होंने सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इंडियन आइडल से अपने रिश्ते के खत्म होने की अनाउंसमेंट की और कहा कि अब वह अपना सारा समय और ऊर्जा दुनिया भर में संगीत बनाने और परफॉर्म करने में लगाना चाहते हैं। विशाल ददलानी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यारा सा वीडियो शेयर किया, जिसमें वह श्रेया घोषाल और बादशाह के साथ नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने एक भावुक नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने लिखा, अलविदा, यारो। सीजन 6 में जितना मजा किया, उससे भी ज्यादा याद आएगा। हक से ज्यादा प्यार मिला है, इस शो की वजह से। इसमें शामिल सभी लोगों का हमेशा आभारी हूं। मुझे उम्मीद है कि शो मुझे उतना ही याद करेगा जितना मैं इसे मिस करूंगा। विशाल ददलानी ने इंडियन आइडल से अलग होने का कारण भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, मैं सच में शो छोड़ रहा हूं, क्योंकि मुझे अपना समय वापस चाहिए। मैं हर साल छह महीने मुंबई में नहीं रह सकता हूं। अब समय आ गया है कि मैं संगीत बनाने, संगीत समारोहों में भाग लेने और कभी भी मेकअप न करने का आनंद लूं। यह विशाल और शेखर का मौसम है। विशाल ने यह भी कहा कि उन्होंने इस शो के साथ बिताए गए समय को बहुत एंजॉय किया और इसने उन्हें बहुत प्यार और सम्मान दिया। हालांकि, अब वह अपने करियर में नए मोड़ की ओर बढ़ना चाहते हैं, जहां वह अपना समय पूरी तरह से संगीत के लिए समर्पित कर सकें। बता दें, रविवार को शो इंडियन आइडल 15 का समापन हुआ, जिसमें 24 वर्षीय मानसी घोष ने ट्रॉफी अपने नाम की। मानसी को ट्रॉफी के साथ 25 लाख रुपये नकद पुरस्कार और एक शानदार कार भी इनाम में मिली।

नाम और पैसा कमाना है गोविंदा से तलाक की खबरों के बीच सुनीता अहूजा ढूंढ रही हैं काम

गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता अहूजा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। कुछ समय से खबरें थी कि दोनों ने अलग होने का मन बना लिया था लेकिन असल में ऐसा कुछ नहीं हुआ और अब भी दोनों साथ में हैं। इन सबके बीच सुनीता अहूजा ने कुछ ऐसा कह डाला है जो कि आपको हैरान करने के लिए काफी है। दरअसल, सुनीता अहूजा चाहती हैं कि वो अपने पैरों पर खड़ी हो जाएं और खुद कुछ ना कुछ कमाई करना शुरु करें। सुनीता अहूजा ने ये बात क्यों कही है इसका लोग कई तरह का मतलब निकाल रहे हैं। सुनीता ने एक समाचार एजेंसी से कहा था–मैंने इस नवरात्रि माता रानी से काम,नाम, शोहरत और सम्मान मांगा है। खुद काम करके अपने लिए पैसा कमाना आपको एक अलग एहसास देता है। सुनीता ने पहले बताया था कि पॉपुलर रियलिटी शो फैब्युलस लाइव्स वर्सेस बॉलीवुड वाइव्स के अगले सीजन के लिए सुनीता से बातचीत की जा रही है। सूत्रों का दावा है हमने सुना है कि सुनीता आहूजा को द फैबुलस हाउसवाइव्स के आगामी सीजन के लिए चुना जा रहा है। वह ऐसी शख्सियत हैं जिन्हें दर्शकों ने सच में पसंद किया है और उनकी फैन फॉलोइंग दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है हालांकि आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। इस साल मार्च में सुनीता आहूजा गोविंदा से अलग होने की अटकलों के कारण चर्चा में थीं हालांकि,गोविंदा के मैनेजर ने ऐसी अफवाहों का खंडन किया था.एक खास बातचीत में उन्होंने बताया था–फिलहाल, यह खबर हर जगह फैल रही है इसलिए हम इस पर नजर रख रहे हैं। हां, उन्होंने कोर्ट में एक कानूनी नोटिस भेजा है। मुझे इसकी जानकारी है। कानूनी नोटिस अभी तक हमारे पास नहीं पहुंचा है।

कुणाल कामरा की याचिका पर 16 अप्रैल को होगी सुनवाई

स्टैंड–अप कमीडियन कुणाल कामरा के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली उनकी याचिका पर मंगलवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई की। हाईकोर्ट ने कुणाल कामरा को 16 अप्रैल तक संरक्षण प्रदान किया है और सभी सरकारी पक्ष से नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल और न्यायमूर्ति एस.एम. मोदक की पीठ ने सुनवाई की। हाई कोर्ट ने सरकारी पक्ष को 16 अप्रैल तक का समय दिया। मामले में अगली सुनवाई 16 अप्रैल को होनी है। सुनवाई के दौरान कुणाल कामरा के वकील ने जज के सामने कहा कि उनके क्लाइंट के ऊपर कोई हत्या जैसे गंभीर अपराध का मामला दर्ज नहीं है। यह स्टैंड–अप कॉमेडी है, जहां कॉमेडी शो पूरी तरह से स्क्रिप्टेड होती है। मेरे क्लाइंट को जान से मारने की धमकी मिल रही है, इसलिए कोर्ट से गुजारिश है कि कामरा को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हाजिर होने की इजाजत दें। इस पर कोर्ट ने उनकी मांग पर अगली सुनवाई में विचार करने की बात कही। हाई कोर्ट को पहले कामरा की याचिका पर 21 अप्रैल को सुनवाई करनी थी, लेकिन उनके अनुरोध पर कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई करने का फैसला सुनाया था। कामरा ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जीवन के अधिकार के मौलिक अधिकार के आधार पर उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की। बता दें, मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में कमीडियन कुणाल कामरा के खिलाफ तीन अलग–अलग मामले दर्ज हैं। इन तीनों मामलों में महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों से जीरो एफआईआर के तहत शिकायतें मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर की गई हैं। यह एफआईआर बुलढाना, नासिक और ठाणे जिलों से दर्ज की गई थीं और अब इनकी जांच मुंबई के खार पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। मुंबई पुलिस के अनुसार कामरा पर आरोप है कि उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। खार पुलिस इन मामलों की जांच कर रही है। इस संबंध में कुणाल कामरा को तीन बार पूछताछ के लिए बुलाया जा चुका है, लेकिन वह पुलिस स्टेशन में उपस्थित नहीं हुए हैं।

करण कुंद्रा संग शादी के सवाल पर बोलीं तेजस्वी प्रकाश, कहा- 'हम वैसे ही रहते हैं जैसे पति-पत्नी रहते हैं...'

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा एक क्यूट कपल हैं। वे लंबे समय से साथ हैं। जोड़ा बिग बॉस 15 के सेट पर मिला था और प्यार में पड़ गया था। शो खत्म होने के बाद भी वे साथ हैं और अब उनके परिवार भी इसमें शामिल हैं। वे एक–दूसरे के माता–पिता का सम्मान करते हैं और उनका ख्याल रखते हैं। तेजस्वी प्रकाश हमेशा चर्चा में रहती हैं और अब, यह अभिनेता करण कुंद्रा के साथ उनके रिश्ते के लिए है। बिग बॉस 15 के घर के अंदर एक–दूसरे के लिए अपने प्यार का इजहार करने वाले दोनों हमेशा अपने पीडीए के लिए चर्चा में रहे हैं। तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा पिछले चार साल से एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में तेजस्वी प्रकाश ने खुलासा किया कि वह और करण कुंद्रा पहले से ही पति–पत्नी की तरह हैं। तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा एक क्यूट कपल हैं। वे लंबे समय से साथ हैं। यह जोड़ा बिग बॉस 15 के सेट पर मिला था और प्यार में पड़ गया था। शो खत्म होने के बाद भी वे साथ हैं और अब उनके परिवार भी इसमें शामिल हैं। वे एक–दूसरे के माता–पिता का सम्मान करते हैं और उनका ख्याल रखते हैं। उनके बहुत से प्रशंसक अब उनकी शादी का इंतजार कर रहे हैं। तेजस्वी फिलहाल सेलिब्रिटी मास्टरशेफ का हिस्सा हैं। होली के एक एपिसोड के दौरान उनकी मां शो में आईं और उन्होंने कहा कि तेजस्वी–करण इस साल शादी कर लेंगे। उसके बाद से हर कोई इस बड़ी शादी के बारे में बात कर रहा है। करण ने इस पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि तेजस्वी की मां मासूम हैं और उन पर ।ृ का इस्तेमाल किया गया था। तेजस्वी ने खुलासा किया कि क्रिएटिव ने उनसे ऐसा रिएक्शन देने के लिए कहा था लेकिन उनकी ऐसी कोई योजना नहीं है। अब, ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ एक पॉडकास्ट में, तेजस्वी को अपने और करण के रिश्ते के बारे में बात करते हुए देखा गया। उन्होंने बताया कि वे साथ में रहते हैं और कैसे उनके माता–पिता को इस बारे में पता था। उनसे शादी के बारे में पूछा गया और उन्होंने कहा कि वह और करण पहले से ही पति–पत्नी की तरह हैं। वह इस बात से सहमत थीं कि सैद्धांतिक रूप से वे शादीशुदा हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर वे कानूनी और आधिकारिक रूप से शादी करते हैं, तो यह केवल एक परिवार शुरू करने के लिए होगा। यह शादी के बारे में उनका दृष्टिकोण है। खैर, तेजस्वी के प्रशंसकों को निश्चित रूप से इससे खुश होना चाहिए। वर्क फ्रंट की बात करें तो करण लाफ्टर शेफ्स 2 में नजर आ रहे हैं जबकि तेजस्वी ने सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में अपने कुकिंग स्किल्स से सभी को प्रभावित किया।

गर्मियों के उमस भरे दिनों में अपने टेस्ट बड्स को खुश करने के लिए घर पर बनाएं मैंगो पन्ना कोटा

मैंगो पन्ना कोटा एक ऐसा मीठा विकल्प है जो न केवल आपके टेस्ट बड्स को खुश करेगा, बल्कि उमस भरे मौसम में एक ठंडी राहत भी देगा। पन्ना कोटा का सबसे बड़ा प्लस पॉइंट ये है कि अगर आप आम के फैन नहीं हैं, तो आप अपनी पसंद के किसी भी मौसमी फल जैसे लीची, जामुन या स्ट्रॉबेरी से भी यह डेजर्ट बना सकते हैं।

गर्मियों का मौसम भले ही कभी–कभी बोरिंग लग सकता है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आपकी प्लेट भी बोरिंग होनी चाहिए। इस मौसम को खास और ताज़गीभरा बनाने के लिए कुछ नया ट्राई करें, जैसे कि मैंगो पन्ना कोटा। गर्मियों में आम न सिर्फ स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि शरीर को ठंडक भी पहुंचाते हैं। मैंगो पन्ना कोटा एक ऐसा मीठा विकल्प है जो न केवल आपके टेस्ट बड्स को खुश करेगा, बल्कि उमस भरे मौसम में एक ठंडी राहत भी देगा।

पन्ना कोटा का सबसे बड़ा प्लस पॉइंट ये है कि अगर आप आम के फैन नहीं हैं, तो आप अपनी पसंद के किसी भी मौसमी फल जैसे लीची, जामुन या स्ट्रॉबेरी से भी यह डेजर्ट बना सकते हैं। वैसे तो पन्ना कोटा एक क्लासिक इटैलियन डेजर्ट है, लेकिन जब इसमें भारतीय फलों की महक और स्वाद मिल जाता है, तो यह हर किसी का दिल जीत लेती है। तो इस बार गर्मियों में घर पर ठंडा और मजेदार मैंगो पन्ना कोटा बनाइए।

सामग्री

– 1 कप क्रीम
– 1/2 कप चीनी
– 1/2 कप दूध
– 1/4 कप मैंगो प्यूरी
– 1 टेबलस्पून जिलेटिन
– 1/4 कप मैंगो के टुकड़े
– ताजा पुदीना पत्तियां सजाने के लिए

विधिः

1. एक बड़े बाउल में क्रीम, चीनी और दूध को अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को तब तक मिलाते रहें जब तक कि चीनी पूरी तरह से घुल न जाए।

2. एक अलग बाउल में जिलेटिन को थोड़े पानी में घोलें। जिलेटिन को अच्छी तरह घोलने के लिए इसे थोड़ा गरम पानी में मिलाएं।

3. जिलेटिन के मिश्रण को क्रीम के मिश्रण में मिलाकर एक नया मिश्रण बनाएं। इस मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं ताकि जिलेटिन और क्रीम का मिश्रण एकसार हो जाए।

4. अब इस मिश्रण में मैंगो प्यूरी को मिलाएं। मैंगो प्यूरी को अच्छी तरह मिलाने से पन्ना कोटा का स्वाद और भी बढ़ जाएगा।

5. मिश्रण को किसी सांचे में डालें, आप इसे गिलास या कटोरी में रखकर ठंडा भी कर सकते हैं। आप इसे फ्रिज में रख सकते हैं या बर्फ के ऊपर रख सकते हैं।

6. जब मिश्रण जम जाए, तो इसे मैंगो के टुकड़ों और पुदीना पत्तियों से सजाएं। इससे पन्ना कोटा का स्वाद और भी बढ़ जाएगा और यह देखने में भी आकर्षक लगेगा।

क्या आपको भी किसी को छूते ही लगता है करंट ? जानें इसके पीछे का साइंस

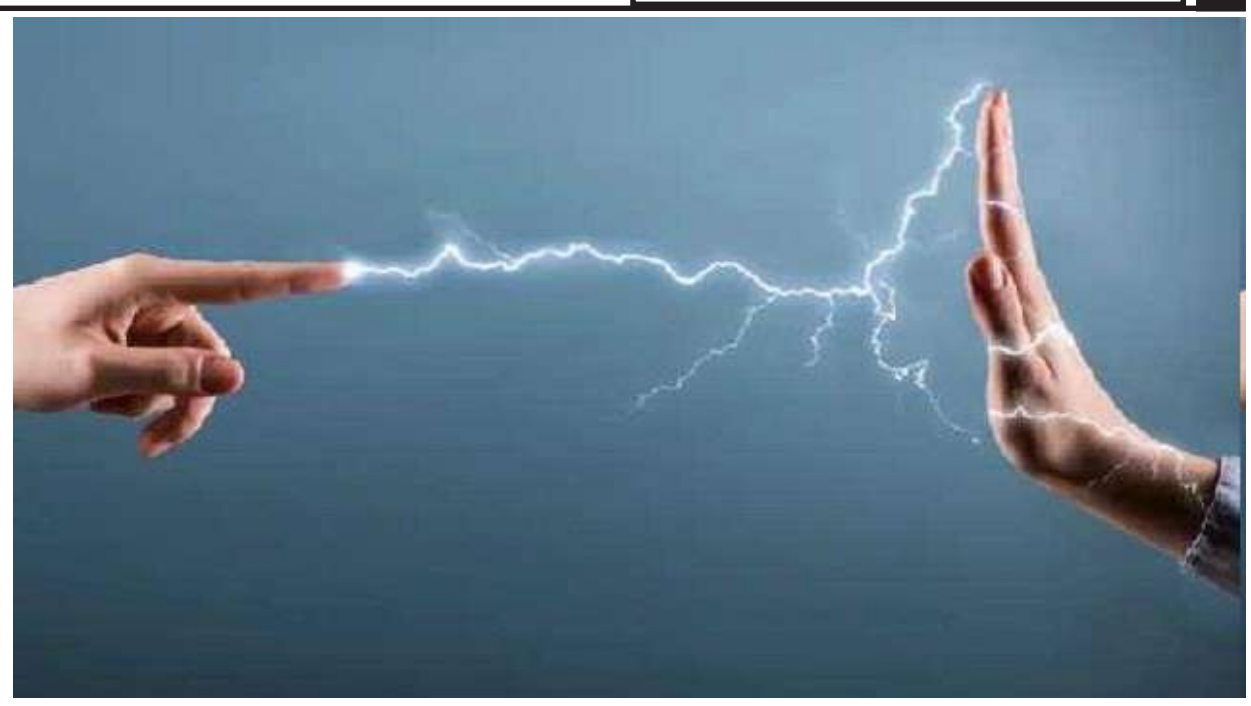

क्या आपने कभी ऑफिस में काम करते वक्त करंट लगने का अनुभव किया है? यह समस्या कई लोगों को होती है और यह झटका बिल्कुल वैसा ही लगता है जैसे बिजली का शॉक लगने पर होता है। हालांकि, यह शॉक खतरनाक नहीं होता है, लेकिन यह आपको थोड़ी घबराहट में डाल सकता है। आपको इस पर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, लेकिन फिर भी यह जानना जरूरी है कि ऐसा क्यों होता है। आइए जानते हैं इस विषय को विस्तार से।

करंट क्यों लगता है?

क्या आपने कभी सोचा है कि यह करंट क्यों लगता है? अगर आपने स्कूल में फिजिक्स या विज्ञान की पढ़ाई की है, तो आपको याद होगा कि एटम के बारे में पढ़ाया जाता था। एटम में तीन मुख्य पार्ट्स होते हैं, इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन, और न्यूट्रॉन। ये तीनों हमारे शरीर में भी होते हैं और करंट लगने की स्थिति में इनकी अहम भूमिका होती है।

एटम के अंदर क्या होता है?

एटम में इलेक्ट्रॉन (जो नेगेटिव चार्ज वाले होते हैं) और प्रोटॉन (जो पॉजिटिव चार्ज वाले होते हैं) होते हैं। साथ ही, न्यूट्रॉन होते हैं जिनका कोई चार्ज नहीं होता। सामान्य स्थिति में, शरीर में इलेक्ट्रॉन और प्रोटॉन की संख्या संतुलित रहती है। लेकिन कभी–कभी शरीर में इलेक्ट्रॉन की संख्या बढ़ जाती है, जिससे शरीर नेगेटिव चार्ज हो जाता है। जब यह शरीर किसी पॉजिटिव चार्ज वाली चीज को छूता है, तो करंट लगता है। यह एक बहुत ही सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन इसका अनुभव काफी चौंकाने वाला होता है।

करंट किस तरह लगता है?

पॉजिटिव चार्ज और नेगेटिव चार्ज का संपकर्रू अगर आपके शरीर में पॉजिटिव चार्ज है और आप किसी नेगेटिव चार्ज वाली सतह को छूते हैं, तो करंट लग सकता है। अगर कोई दूसरा व्यक्ति भी आपको छूता है और उसके शरीर में नेगेटिव चार्ज है, तो दोनों को करंट लग सकता है।

नेगेटिव चार्ज और पॉजिटिव चार्ज का संपकर्रू अगर आपका शरीर नेगेटिव चार्ज से प्रभावित हो गया है, तो आप किसी पॉजिटिव चार्ज वाली चीज को छूने पर करंट महसूस कर सकते हैं।

सर्दियों में करंट लगने की समस्या ज्यादा क्यों होती है?

यह समस्या मौसम के बदलाव पर भी निर्भर करती है। सर्दियों में यह समस्या ज्यादा होती है, क्योंकि इस मौसम में शरीर में इलेक्ट्रॉन की संख्या बढ़ जाती है, जिससे नेगेटिव चार्ज बनता है। गर्मियों में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो इन इलेक्ट्रॉनों को नष्ट कर देती है और इस वजह से करंट कम महसूस होता है।

एक्सपर्ट की राय

एक्सपर्ट इस समस्या को एक सामान्य स्थिति मानते हैं। उनके अनुसार, यह समस्या अक्सर सर्वाइकल स्पाइनल कॉर्ड से जुड़ी होती है। 1920 के दशक में इस स्थिति का वर्णन किया गया था और इसे मुख्य रूप से हाथ, पैर और सिर में महसूस किया जाता है। हालांकि, अगर यह समस्या लगातार हो और आपको बार–बार परेशान करे, तो आपको डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

बॉडी में नेगेटिव चार्ज कैसे बढ़ता है?

इस समस्या को समझने के लिए सबसे पहले हमें ष्स्टैटिक करंटष् को समझना होगा। स्टैटिक करंट तब बनता है जब दो वस्तुएं आपस में रगड़ती हैं। इससे एक वस्तु में नेगेटिव चार्ज और दूसरी में पॉजिटिव चार्ज जमा हो जाता है। जब ये दोनों वस्तुएं एक–दूसरे के संपर्क में आती हैं, तो करंट महसूस होता है, जैसे कि किसी धातु को छूने पर शॉक लगना।

स्टैटिक करंट के मुख्य कारण

ऊनी और गर्म कपड़े पहननाः सर्दियों में लोग ऊनी कपड़े पहनते हैं, जो शरीर में अधिक इलेक्ट्रॉन्स को इकट्ठा कर सकते हैं।

पैरों का जमीन से संपर्क न होनाः जब हम पैरों को जमीन से नहीं जोड़ते, तो शरीर में इलेक्ट्रॉन्स का संतुलन बिगड़ सकता है, और इससे करंट लगता है।

शरीर में ड्राइनेसः सर्दियों में हवा में नमी कम होती है, जिससे शरीर में सूखापन बढ़ता है, और स्टैटिक करंट की समस्या ज्यादा होती है।

स्टैटिक करंट को कम करने के उपाय

जमीन से संपर्क बनाए रखेंरू जब भी आप घर या ऑफिस में हों, तो कोशिश करें कि आपके पैरों का जमीन से संपर्क बना रहे। यह इलेक्ट्रॉन्स को संतुलित रखने में मदद करता है।

शरीर में मॉइश्चर बनाए रखेंः सर्दियों में शरीर की त्वचा में ड्राइनेस बढ़ जाती है, इसलिए नियमित रूप से मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

लिनन और कॉटन के कपड़े पहनेंः सिंथेटिक कपड़े की बजाय प्राकृतिक कपड़े पहनें, जैसे लिनन और कॉटन, जो स्टैटिक करंट को कम करने में मदद करते हैं।

मेडिटेशन और ध्यान लगाएंः मानसिक तनाव और शरीर में इलेक्ट्रिक चार्ज का स्तर भी एक दूसरे से जुड़ा हुआ हो सकता है। ध्यान और मेडिटेशन से आप शरीर को संतुलित रख सकते हैं।

वॉक और जॉगिंग करेंः नियमित रूप से चलने या दौड़ने से आपके शरीर में इलेक्ट्रॉन का संतुलन बेहतर रहता है और करंट का अनुभव कम होता है।

करंट लगने की समस्या आमतौर पर खतरनाक नहीं होती है लेकिन यह काफी असहज और डरावनी हो सकती है। इसे समझने और इससे बचने के लिए कुछ छोटे–छोटे बदलावों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

दांतों को सफेद बनाने के लिए इस चीज का ऐसे करें इस्तेमाल,पीले दांत हो जाएंगे साफ और चमकदार

दांतों का सफेद और चमकदार होना हर किसी की चाहत होती है, लेकिन समय के साथ दांतों में गंदगी जमा होने और खाने–पीने की गलत आदतों की वजह से दांत पीले या गंदे हो जाते हैं। अगर आप भी अपने दांतों को मोतियों की तरह सफेद और चमकदार बनाना चाहते हैं, तो आपको संतरे के छिलके का इस्तेमाल करना चाहिए। ये तरीका न सिर्फ असरदार है, बल्कि पूरी तरह से प्राकृतिक भी है।

संतरे के छिलके के फायदे

संतरा स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है, लेकिन इसके छिलके भी कई लाभकारी गुणों से भरपूर होते हैं। संतरे के छिलके में फाइबर, विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और फ्लेवोनोइड्स जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो दांतों की सफाई में मदद करते हैं। जब आप संतरे के छिलके को दांतों पर रगड़ते हैं, तो यह दांतों पर जमी गंदगी को साफ करता है और दांतों को चमकदार बनाने में मदद करता है।

संतरे के छिलके से दांत सफेद कैसे बनाएं

अगर आप संतरे के छिलके का पेस्ट बनाकर दांतों की सफाई करना चाहते हैं, तो ये तरीका अपनाएं

संतरे के छिलके का पेस्ट तैयार करें

सबसे पहले संतरे के छिलके को अच्छे से सूखा लें। फिर उसे पीसकर उसका पाउडर बना लें। इस पाउडर में थोड़ा सा नमक और सरसों का तेल मिला लें। अब इस मिश्रण को अपने दांतों पर ब्रश से लगाकर सफाई करें।

संतरे का सेवन करें

संतरे का सेवन करने से भी दांतों की सफाई रहती है और मुंह के बैक्टीरिया से बचाव होता है। संतरा खाने से मुंह में ताजगी बनी रहती है और दांत स्वस्थ रहते हैं।

क्यों काम करता है संतरे के छिलके का पेस्ट?

संतरे के छिलके में पाए जाने वाले विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स दांतों के लिए फायदेमंद होते हैं। यह दांतों को सफेद करने के साथ–साथ दांतों पर जमा बैक्टीरिया और कीटाणुओं को भी नष्ट करता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद फ्लेवोनोइड्स दांतों को ताकत भी देते हैं और दांतों की चमक को बरकरार रखते हैं। अगर आप भी अपने दांतों को सफेद और चमकदार बनाना चाहते हैं, तो संतरे के छिलके का इस्तेमाल एक बेहतरीन और प्राकृतिक उपाय हो सकता है। इसके साथ–साथ संतरे का सेवन करने से दांतों की सेहत भी बनी रहती है। हालांकि, किसी भी उपाय को अपनाने से पहले, यदि आपको कोई समस्या हो तो अपने चिकित्सक से जरूर सलाह लें।

नोटः यह जानकारी केवल सामान्य संदर्भ के लिए दी गई है। किसी भी प्रकार की चिकित्सा सलाह के लिए हमेशा विशेषज्ञ से परामर्श करें।

एक बार लेटेस्ट डिजाइन के ये 3 नोज पिन पहन लिया, तो सबकी निगाहें आप पर रहेंगी

महिलाएं अपनी चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए तरह–तरह के साज–श्रृंगार जरुर करती है। चेहरे को सुंदर दिखाने के लिए मेकअप करती हैं, लेकिन चेहरी की खूबसूरती निखारने के लिए फेस एक्सेसरीज भी बेहद कम की होती है। क्या आप अपनी खूबसूरती से लोगों को आकर्षित करना हैं, तो यह लेख आपके लिए है। इस आर्टिकल में हम आपके लिए लेकर आएं है। लेटेस्ट डिजाइन वाली नोज पिन, जिन्हें ट्राई करने से आपकी खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे।

स्टोन सिल्वर नोज पिन

यदि आप अपने ऑफिस में एथनिक लुक में जान डालना चाहते हैं, तो आप स्टोन सिल्वर नोज पिन को ट्राई कर सकते हैं। स्टोन वाली सिल्वर नोज पिन में आप किसी हीरोइन से कम नहीं लगेंगी। इस तरह की नोज पिन आपको ऑनलाइन या ऑफलाइन भी मिल जाएगी।

चांदी ड्रॉप मोती नोज पिन

अगर आप कुछ डिफरेंट ट्राई करना चाहती हैं, तो आप अपने लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए चांदी ड्रॉप मोती नोज पिन पहन सकते हैं। इस नोज पिन को पहनकर आप बला की खूबसूरत लगती हैं। इसे आप ऑनलाइन या ऑफलाइन भी खरीद सकते हैं।

सिल्वर नोज पिन

किसी फेस्टिवल या किसी फंक्शन में जलवा बिखेरना चाहती हैं, तो आप अपनी खूबसूरती से लोगों को खुश करना चाहती है, तो आप इस सिल्वर नोज पिन को ट्राई कर सकते हैं। यह आपके लुक में जान डाल देगी। इसे आप ऑनलाइन या ऑफलाइन कहीं से भी खरीद सकते हैं।

संक्षिप्त

RBI का बड़ा फैसला, रेपो रेट में कर दी कटौती, गवर्नर संजय मल्होत्रा के ऐलान से EMI का बोझ होगा कम

कुछ दिन पूर्व ही अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी से बढ़ते वैश्विक व्यापार तनाव के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को वित्त वर्ष 26 के लिए अपना पहला मौद्रिक नीति निर्णय जारी कर चुका है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा घ्क्की अध्यक्षता में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने 7 से 9 अप्रैल तक विचार–विमर्श किया और आज सुबह नीति की घोषणा कर दी है। यह घोषणा सुबह 10 बजे की गई। इसके बाद मल्होत्रा दोपहर 12 बजे नीति–पश्चात प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। एमपीसी की यह बैठक वैश्विक आर्थिक मंदी की बढ़ती आशंकाओं के बीच हो रही है, जिसमें अमेरिकी संरक्षणवादी उपायों का असर भारत सहित उभरते बाजारों पर पड़ रहा है। फरवरी में अपनी अंतिम नीति समीक्षा में आरबीआई ने बेंचमार्क रेपो दर को 25 आधार अंकों से घटाकर 6.25: कर दिया था, जो लगभग पांच वर्षों में पहली कटौती थी। रेपो दर वह ब्याज दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देता है। आरबीआई गवर्नर ने अपने संबोधन में कहा कि नया वित्तीय वर्ष चिंताजनक ढंग से शुरू हुआ है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा घ्ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने बेंचमार्क रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 6: करने का फैसला किया है। यह आरबीआई की लगातार दूसरी रेपो दर में कटौती है। फरवरी में अपनी पिछली नीति समीक्षा में आरबीआई ने बेंचमार्क रेपो दर को 25 आधार अंकों से घटाकर 6.25: कर दिया था, जो लगभग पांच वर्षों में पहली बार कटौती थी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा घ्ने कहा, घ्मुद्रास्फीति के मोर्चे पर, खाद्य कीमतों में अपेक्षा से अधिक गिरावट ने हमें राहत दी है, लेकिन हम वैश्विक अनिश्चितता और मौसम संबंधी व्यवधानों से होने वाले संभावित जोखिमों के प्रति सतर्क बने हुए हैं। गवर्नर संजय मल्होत्रा घ्ने कहा कि एमपीसी ने अपने नीतिगत रुख को 'तटस्थ' से बदलकर 'समायोज्य' करने का निर्णय लिया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा घ्का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण एमपीसी ने वित्त वर्ष 2025–26 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.7: (फरवरी में घोषित) से घटाकर 6.5: कर दिया है। आरबीआई ने रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 6: कर दिया है, जिससे ऋण ईएमआई में संभावित कमी के साथ उधारकर्ताओं को राहत मिलेगी।

किआ के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में चोरी हुए 900 इंजन, कंपनी ने दर्ज कराई एफआईआर

आंध्र प्रदेश के श्री सत्यसाई जिले में ऑटोमोबाइल कंपनी किआ ने एफआईआर दर्ज कराई है। बीते पांच वर्षों में ऑटोमोबाइल कंपनी किआ के लगभग 900 कार इंजन चोरी हुए है। ये जानकारी दक्षिण कोरियाई ऑटोमोबाइल कंपनी में कार्यरत एक अधिकारी ने दी है। अधिकारी की मानें तो मामले में दक्षिण कोरियाई ऑटोमोबाइल कंपनी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। श्री सत्यसाई जिले के पेनुकोंडा में किआ कंपनी की कार मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थित है। पुलिस की मानें तो इंजन चोरी की घटना बीते पांच सालों से हो रही है। इस पूरे दौरान 900 कार के इंजन कथित तौर पर चोरी हुए है। पुलिस का कहना है कि चोरी की घटना की शुरुआत पांच वर्ष पहले हुई थी। इस मामले में 19 मार्च को शिकायत दर्ज कराई गई है। श्री सत्य साई जिले में 'किया' का कार निर्माण संयंत्र है। पेणुकोंडा के उप प्रभागीय पुलिस अधिकारी वाई वेंकटेश्वरलु ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, "यह चोरी वर्ष 2020 में शुरू हुई थी और तब से निरंतर होती रही है। हम इसकी गहराई से जांच करेंगे।" वेंकटेश्वरलु के अनुसार, प्रारंभिक जांच में 900 इंजन चोरी होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि ये इंजन या तो संयंत्र के अंदर से या वहां पहुंचने के रास्ते में चुराए गए। पुलिस को संदेह है कि यह चोरी कंपनी के ही कर्मचारियों की मिलीभगत से हुई है जिसके चलते जांच को कंपनी के पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों पर केंद्रित रखा गया है। वेंकटेश्वरलु ने कहा, "बाहरी लोगों की बात नहीं है, यह सब अंदर से हुआ है। यहां तक कि एक छोटा पुर्जा भी कंपनी की अनुमति के बिना बाहर नहीं जा सकता। हम पता कर रहे हैं कि इसमें कौन–कौन शामिल है।" वेंकटेश्वरलु ने बताया कि प्राथमिक जांच में कुछ खामियों की पुष्टि हुई है और फिलहाल कंपनी के पुराने कर्मचारियों पर जांच केंद्रित है, हालांकि कुछ मौजूदा कर्मचारियों की संलिप्तता भी सामने आई है। इस सिलसिले में पुलिस ने विशेष टीम गठित की हैं और कई दस्तावेज व रिकॉर्ड भी जुटाए हैं। हालांकि, कंपनी के अधिकारियों से तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है।

शेयर बाजार में आई गिरावट, निफ्टी और सेंसेक्स फिसले

भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन भी गिरावट का दौर जारी है। बुधवार को सेंसेक्स में लगभग 300 अंकों की गिरावट देखने को मिली है। निफ्टी भी 22450 के स्तर से नीचे ही खुला है। वहीं मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में बीते तीन दिनों की गिरावट के दौर पर ब्रेक लग गया था। वहीं बीएसई सेंसेक्स 1089 अंक ऊपर चढ़ा था। वहीं एनएसई का निफ्टी भी 374 अंकों की बढ़त के साथ ऊपर उठा है। एशिया, यूरोप के बाजार भी मजबूत स्थिति पर बने हुए है। जबकि एनएसई का निफ्टी 374 अंक चढ़ा। एशियाई और यूरोपीय बाजारों में मजबूती के बीच निचले स्तरों पर चौतरफा खरीदारी के कारण बाजार हरे निशान में रहा। इससे एक दिन पहले बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में बड़ी गिरावट देखी गई थी, जो बीते 10 महीनों में सबसे अधिक थी। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,089.18 अंक या 1.49 प्रतिशत बढ़कर 74,227.08 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान ये 1,721.49 अंक तक चढ़ा था। सेंसेक्स के 29 शेयरों ने हरे निशान पर कारोबार किया। निफ्टी भी 374.25 अंक की बढ़त के साथ 22,535.85 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान निफ्टी 535.6 अंक ऊपर चढ़ा था।

चौथी बार आईपीएल में लगातार चार मैच हारा सीएसके, 2022 से पंजाब से सर्वाधिक बार मिली है शिकस्त

नई दिल्ली। पांच बार की चौंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल का 18वां सीजन अब तक कुछ खास नहीं रहा है। टीम के पंजाब किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा जो इस सीजन उसकी लगातार चौथी हार है। पंजाब किंग्स ने सीएसके को 18 रन से हराकर जीत की पटरी पर वापसी कर ली। सीएसके ने अब तक पांच मैच खेले हैं और उसे एक मैच में ही जीत मिली है। दूसरी ओर, पंजाब ने सीएसके पर जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष चार में वापसी कर ली है। पंजाब के चार मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ छह अंक हैं और वह चौथे स्थान पर है। मुल्लांपुर में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 219 रन बनाए थे। जवाब में सीएसके निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर सिर्फ 201 रन ही बना सकी।

कब–कब गंवाए लगातार चार मैच

आईपीएल इतिहास में यह चौथी बार है जब सीएसके ने किसी आईपीएल सीजन में लगातार चार मैच गंवाए हैं। उसने 2010, 2022, 2022–23 और अब 2025 सीजन में लगातार चार मैच गंवाए। 2010 में टीम को पंजाब, आरसीबी, मुंबई और राजस्थान से हार मिली थी। वहीं, 2022 में केकेआर, लखनऊ, पंजाब और हैदराबाद ने सीएसके को हराया था। 2022– 23 में मुंबई, गुजरात, राजस्थान और गुजरात ने टीम को मात दी थी। दरअसल, 2022 सीजन के अंतिम तीन मैच सीएसके ने गंवाए थे और 2023 सीजन का शुरुआती मुकाबला भी टीम हार गई थी। इस तरह उसने लगातार चार मैच गंवाए थे। अब सीएसके को इस सीजन आरसीबी, गुजरात, दिल्ली और पंजाब से हार का सामना करना पड़ा।

पंजाब पड़ा है भारी

सीएसके को 2022 से आईपीएल में सबसे ज्यादा हार अगर किसी टीम से मिली है तो वो पंजाब किंग्स ही है। पंजाब ने 2022 से अब तक सीएसके को पांच बार हराया है। पंजाब ने इस मामले में राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस को पीछे छोड़ा जिन्होंने सीएसके को चार–चार बार हराया है। वहीं, चेन्नई को लखनऊ सुपर जाएंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ तीन–तीन बार हार का सामना करना पड़ा है।

कॉनवे ने साई सुदर्शन को पीछे छोड़ा

सीएसके के लिए पंजाब के खिलाफ डेवोन कॉनवे ने अर्धशतकीय पारी खेली। तीसरे विकेट के लिए शिवम दुबे और डेवोन कॉनवे ने 51 गेंदों में 89 रन जोड़े। कॉनवे ने इस मुकाबले में 69 रनों की दमदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने महज 37 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ कॉनवे ने आईपीएल में 1000 रन भी पूरे कर लिए। वह सबसे कम पारियों में 1000 रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में साई सुदर्शन और मैथ्यू हेडन को पीछे छोड़ा। सुदर्शन और हेडन ने 25 पारियों में आईपीएल में 1000 रन पूरे किए थे, जबकि कॉनवे ने 24 पारियों में ही ऐसा किया।

किस तरह कप्तान श्रेयस के साथ चर्चा से प्रियांश आर्या को मिली मदद, बल्लेबाज ने खुद किया खुलासा

मुल्लांपुर। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या ने बताया है कि किस तरह कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ हुई चर्चा से उन्हें मदद मिली। प्रियांश ने मंगलवार को 39 गेंदों पर शतक लगाया। प्रियांश इसके साथ ही आईपीए इतिहास का सबसे तेज शतक लगाने वाले संयुक्त रूप से चौथे बल्लेबाज बन गए थे। प्रियांश ने इस मामले में सनराइडर्स हैदराबाद के ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड की बराबरी कर ली थी जिन्होंने पिछले सीजन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ इतने ही गेंदों पर शतक लगाया था। पंजाब ने प्रियांश के शतक से सीएसके को 18 रन से हराया था। मुल्लांपुर में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 219 रन बनाए थे। जवाब में सीएसके निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर सिर्फ 201 रन ही बना सकी। प्रियांश ने मुश्किल परिस्थितियों से टीम को उबारा और अपने आईपीएल करियर का पहला शतक जड़ा जिससे पंजाब सीएसके के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखने में सफल रहा था।

स्वाभाविक खेल खेलना चाहते थे प्रियांश

प्रियांश ने कहा, मैं अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पा रहा हूं, लेकिन अंदर से मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। पिछले मैच में श्रेयस अय्यर ने अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करने की बात कही थी। उन्होंने मुझे सुझाव दिया कि मैं जिस तरह से खेलना चाहता हूं, वैसा खेलूं। मैं सोच रहा था कि अगर मुझे पहली गेंद शॉट मारने के लिए मिलती है, तो मैं निश्चित रूप से उस पर छक्का मारूंगा। मैं जितना हो सके अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहता था और खुद को सीमित नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, मैं अपनी इस पारी से खुश हूं, लेकिन मैं टीम के लिए और भी योगदान देना चाहता हूं। मेरे लिए इरादा वही रहेगा। जब मैं श्रेयस भईया से बात करता हूं तो वो कहते हैं कि सिर्फ सकारात्मक इरादे से बल्लेबाजी करो। अगर पहली ही गेंद मेरे स्लॉट में आती है तो वह कहते हैं कि पहली गेंद से प्रहार करो। मैं सीएसके के खिलाफ इसी अंदाज में बल्लेबाजी की।

परिस्थितियों के अनुसार करते हैं बल्लेबाजी

प्रियांश ने कहा, मैं हमेशा परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करता हूं। जब नेहाल वढेरा आए तो मैंने उनके साथ चर्चा की। मैंने उनसे पूछा था कि धीमी बल्लेबाजी करूं या नहीं। लेकिन उन्होंने कहा कि तुम जैसा खेलते हो वैसा ही खेलो और मैं लगातार बड़े शॉट खेलता गया।

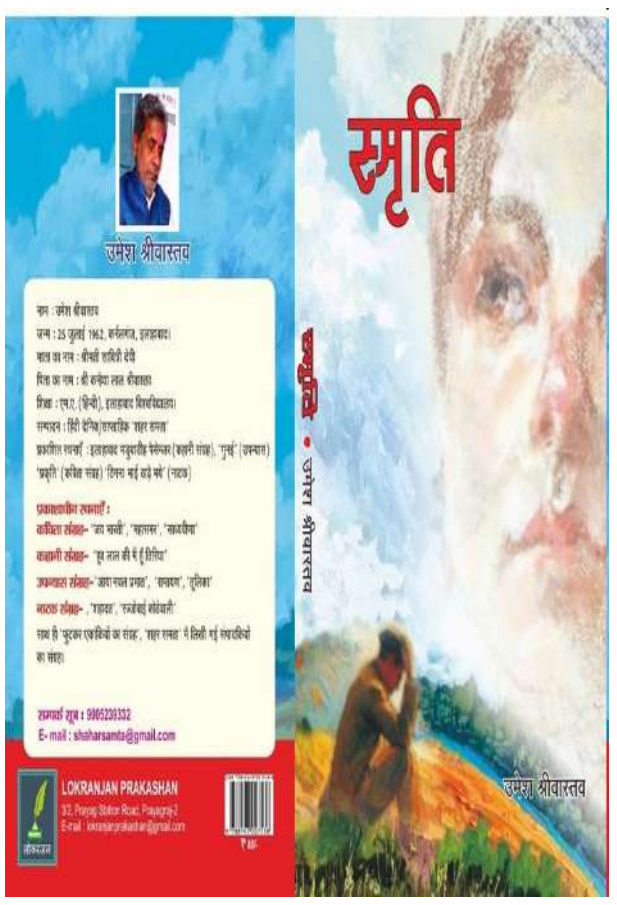

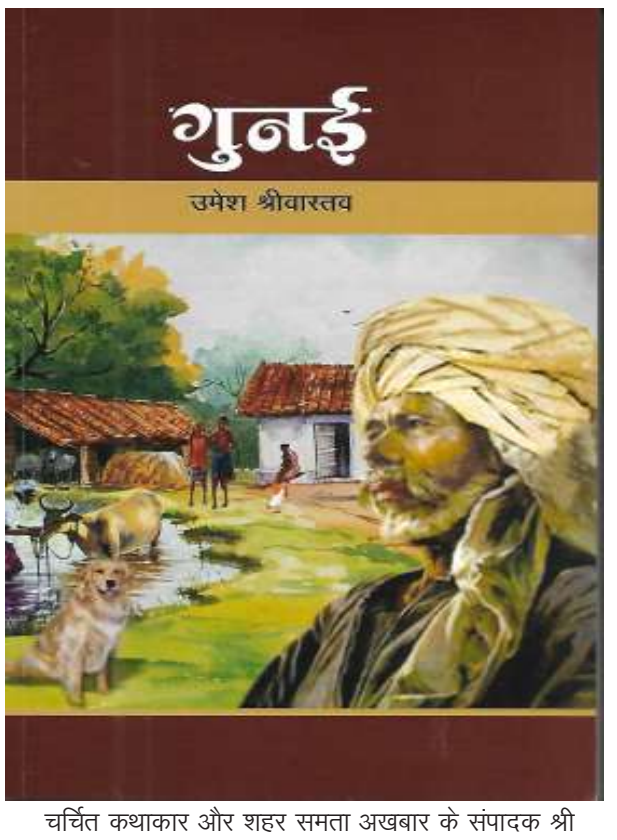

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

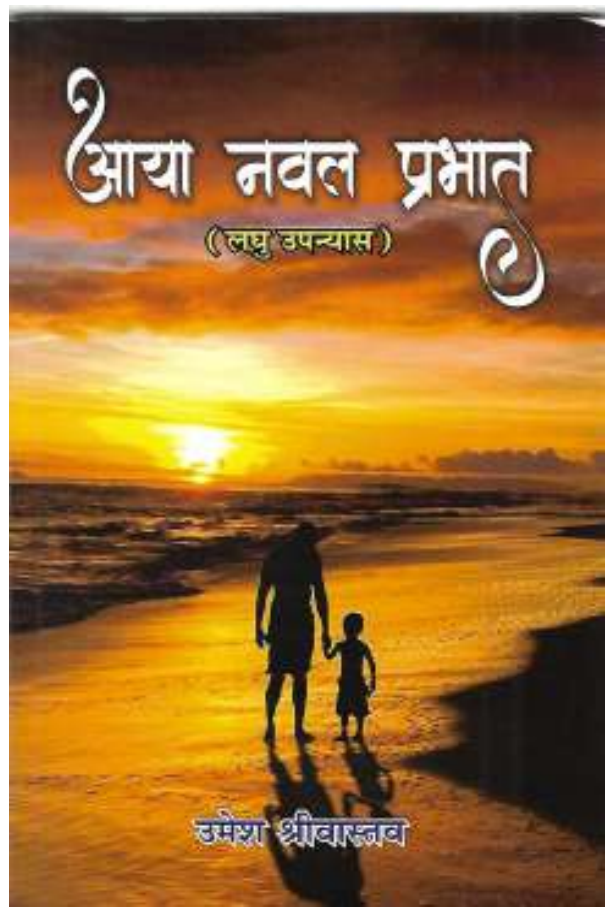

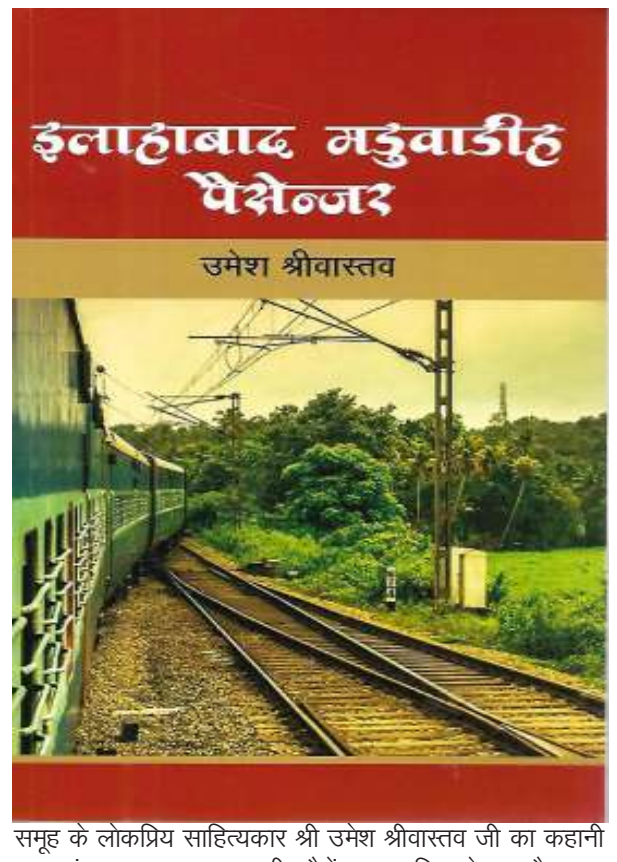

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

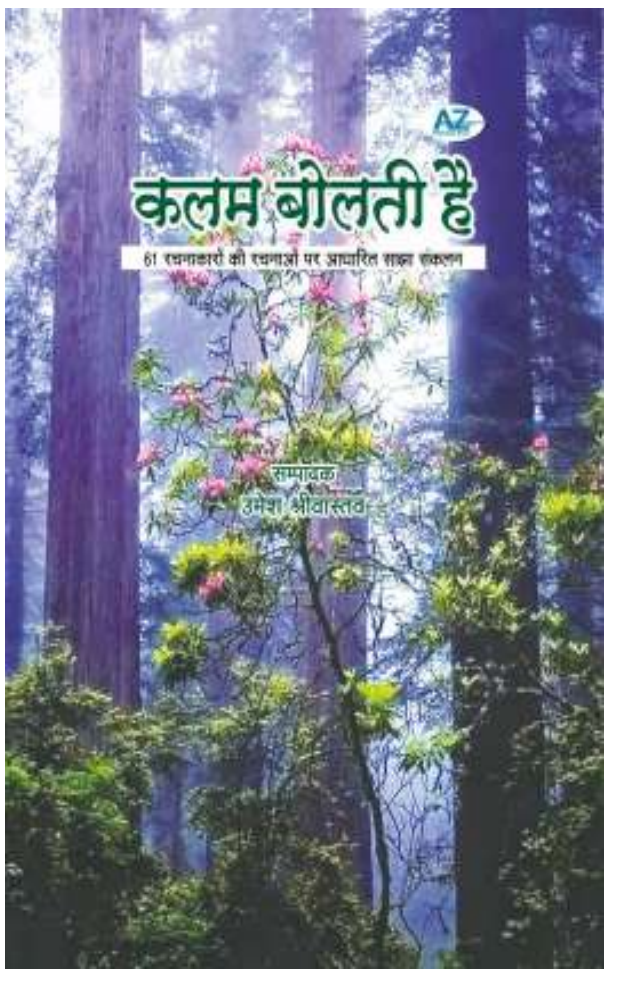

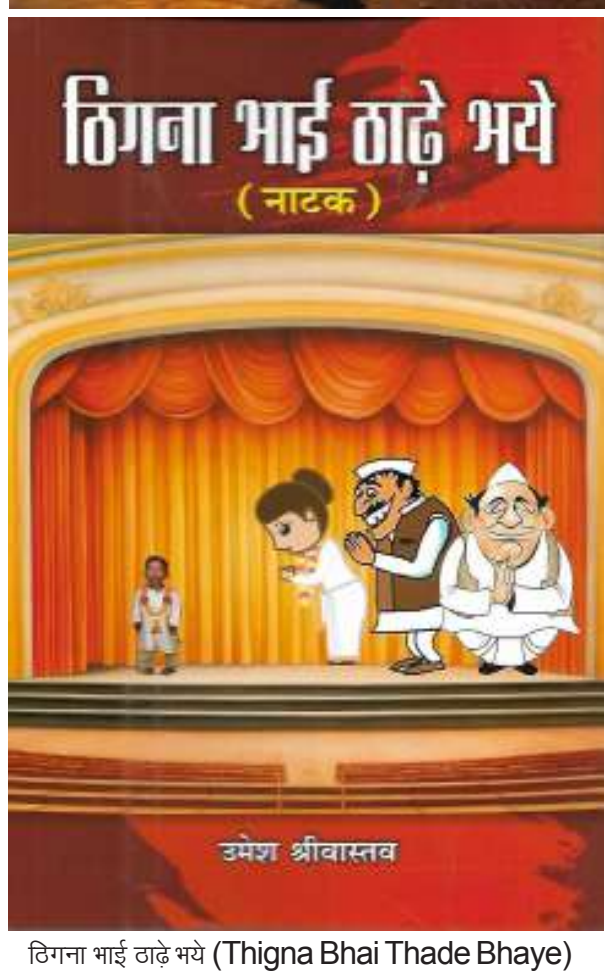

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

जेलेंस्की ने किया बड़ा खुलासा- रूस की तरफ से लड़ते हुए पकड़े गये चीनी नागरिक

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेनी सेना ने पूर्वी यूक्रेन में रूस के लिए लड़ रहे दो चीनी लोगों को पकड़ लिया है। उन्होंने कहा कि चीनी सैनिकों के रूस की ओर से लड़ने से इस युद्ध को शांत कराने के प्रयास बाधित हो सकते हैं। हम आपको बता दें कि इससे पहले यूक्रेनी सेना उत्तर कोरियाई सैनिकों को भी रूस की ओर से लड़ते हुए पकड़ चुकी है। चीनी सैनिकों के पकड़े जाने का मामला इसलिए हैरानी भरा है क्योंकि चीन यह दावा करता है कि वह रूस–यूक्रेन युद्ध को खत्म करवाने के प्रयास कर रहा है। रूस के करीबी सहयोगी चीन ने पूर्व में शांति प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया था लेकिन उस पर बात आगे नहीं बढ़ पाई थी। जेलेंस्की ने चीनी नागरिकों के पकड़े जाने की बात का खुलासा एक्स पर किया। उन्होंने कथित चीनी सैनिकों का एक वीडियो भी पोस्ट किया और कहा कि कीव के पास ष्ऐसी जानकारी है जो बताती है कि कई और चीनी नागरिकष् लड़ रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या यूक्रेन का मानना है कि ये लोग बीजिंग के आदेश पर काम कर रहे थे। जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का हवाला देते हुए लिखा, रूस द्वारा यूरोप में इस युद्ध में चीन के साथ–साथ अन्य देशों की भागीदारी, चाहे प्रत्यक्ष रूप से हो या अप्रत्यक्ष रूप से, एक स्पष्ट संकेत है कि पुतिन युद्ध को समाप्त करने के अलावा कुछ भी करने का इरादा रखते हैं। ज़ेलेंस्की ने साथ ही बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ कीव में एक संयुक्त ब्रीफिंग में भी कहा, चीनी यूक्रेन के क्षेत्र में लड़ रहे हैं। वहीं यह मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है क्योंकि यूक्रेन के अन्य नेता भी इस मामले को सोशल मीडिया के माध्यम से उठा रहे हैं। यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सदस्य एंड्री कोवलेंको ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि पकड़े गए लड़ाके भाड़े के सैनिक हैं। वहीं यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि कीव ने यूक्रेन में चीन के प्रभारी को इस तथ्य की निंदा करने और स्पष्टीकरण मांगने के लिएष् बुलाया था। हम आपको यह भी बता दें कि रूस ने फरवरी 2022 के आक्रमण के बाद से ईरानी ड्रोन के साथ–साथ उत्तर कोरियाई मिसाइलों और उसके तोपखाने के गोले का भी इस्तेमाल किया है। यूक्रेन ने यह भी कहा है कि उत्तर कोरिया के सैनिकों को रूस के पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र के कुछ हिस्सों में यूक्रेनी सेना से लड़ने के लिए तैनात किया गया है। दूसरी ओर, चीनी विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन में रूस के लिए लड़ते हुए पकड़े गए चीनी नागरिकों के मामले पर कोई टिप्पणी नहीं दी है। रूस ने भी चीनी लड़ाकों के बारे में ज़ेलेंस्की के दावे पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी नहीं की है, न ही उसने अपने कुर्स्क क्षेत्र में उत्तर कोरियाई सैनिकों का उपयोग करने की स्पष्ट रूप से पुष्टि की है। वहीं अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि यूक्रेन में पकड़े गए चीनी नागरिकों की रिपोर्ट परेशान करने वाली थी, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि वाशिंगटन ने इस दावे की पुष्टि की है या नहीं।

संक्षिप्त

पुर्तगाल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत को अपना समर्थन दोहराया

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पुर्तगाल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की पुर्तगाल की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के समापन पर, सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने प्रेस को बताया कि दोनों देश संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''पुर्तगाली नेतृत्व ने संयुक्त

राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अपना समर्थन दोहराया है।'' भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि वह स्थायी सदस्य के रूप में यूएनएससी में स्थान पाने का हकदार है। भारत का कहना है कि 1945 में गठित 15 सदस्यीय यूएनएससी 21वीं सदी की जरूरतों के लिए उपयुक्त नहीं है और यह समकालीन भू–राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती। लाल ने कहा कि पुर्तगाल, भारत–यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा, ''यह संबंध उपयोगी है क्योंकि भारत और यूरोपीय संघ वर्तमान में एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) पर बातचीत कर रहे हैं और हमारे पास अंतर–मंत्रालयी स्तर पर एक व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद भी है।

पवन कल्याण ने अपने घायल बेटे से सिंगापुर के अस्पताल में मुलाकात की

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने अपने सबसे छोटे बेटे मार्क शंकर से सिंगापुर के एक अस्पताल में मुलाकात की, जहां दक्षिण–पूर्वी एशियाई देश के एक स्कूल में आग लगने की घटना से झुलसने के बाद मार्क का इलाज किया जा है। जनसेना पार्टी के सूत्रों ने यह जानकारी दी। आग की घटना में झुलसने और धुंए के कारण फेफड़ों की जटिलताओं की वजह से मार्क को अस्पताल में भर्ती किया गया है। पार्टी

की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि मार्क शंकर की हालत में लगातार सुधार हो रहा है। हैदराबाद से मंगलवार रात सिंगापुर पहुंचने के बाद कल्याण सीधे अस्पताल गए, जहां उन्होंने अपने बेटे से मुलाकात की। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ''धुएं के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने के लिए परीक्षण किए जा रहे हैं और उनकी हालत में धीरे–धीरे सुधार हो रहा है।'' विज्ञप्ति में कहा गया है कि शंकर को बुधवार सुबह आपातकालीन वार्ड से एक निजी कक्ष में स्थानांतरित कर दिया गया और चिकित्सकों ने कहा कि अगले तीन दिनों तक चिकित्सा निगरानी के साथ उनके परीक्षण जारी रहेंगे।

कनाडा को समझ आ गई अपनी भूल, जयशंकर का सीधा संदेश- हम रिश्ते सुधारना चाहते हैं

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि वह भारत और कनाडा को बेहतर संबंध बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे क्योंकि उन्होंने दोनों देशों से इस पर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैं भारत और कनाडा दोनों को एक–दूसरे के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित करूंगा।

कनाडा संग संबंधों पर जयशंकर ने क्या कहा

राइजिंग भारत समिट 2025 में जयशंकर ने कहा कि मैं कनाडा पर टिप्पणी करने में बहुत सावधान रहूंगा, क्योंकि मैं नहीं चाहता कि मेरी टिप्पणियों का इस्तेमाल देश में राजनीतिक प्रचार में किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि हमारे लिए, जिस दिशा में संबंध आगे बढ़े हैं, वह कनाडा के हितों के अनुकूल नहीं है। मैं चाहूंगा कि दोनों पक्ष अपने संबंधों को सुधारें। हम मौजूदा स्थिति में एक अवसर देखते हैं। कनाडा का आम चुनाव अभियान अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध के बीच चल रहा है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के बारे में टिप्पणी की है। इस साल की शुरुआत में जस्टिन ट्रूडो के पद छोड़ने के बाद 28 अप्रैल को कनाडाई मतदान करेंगे। इसके बाद मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला। एस जयशंकर ने यह भी कहा कि कनाडा को अलगाववाद की समस्या को पहचानना चाहिए और ऐसी ताकतों को मंच नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि आप अलगाववाद को बढ़ावा देते हैं, आयात करते हैं, तो इसके परिणाम आपके लिए खुद ही होंगे। हम देखते हैं कि वे समस्या को पहचान रहे हैं, ऐसी ताकतों को मंच नहीं दे रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

.919450482227

डॉमिनिकन गणराज्य में नाइटक्लब की छत गिरने से कम से कम 44 लोगों की मौत, 160 अन्य घायल

डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में मंगलवार तड़के एक नाइटक्लब की छत गिरने की घटना में कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई और 160 अन्य घायल हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि जेट सेट नाइटक्लब में मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है। आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडेज ने कहा, ''हमारा अनुमान है कि मलबे के नीचे दबे कई लोग अब भी जिंदा हैं और प्राधिकारी हार नहीं मानेंगे, जब तक कि प्रत्येक व्यक्ति को बाहर न निकाल लिया जाए।'' मेंडेज ने बताया कि मरने वालों की संख्या 44 तक पहुंच गई है। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में मोंटेक्रिस्टी की गवर्नर नेल्सी क्रूज भी शामिल हैं। घायलों में पूर्व मेजर लीग बेसबॉल पिचर ऑक्टेवियो डोटेल भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नाइटक्लब की छत उस समय गिरी, जब मेरेंग्यू गायिका रूबी पेरेज प्रस्तुति दे रही थीं। पेरेज के मैनेजर एनरिक पॉलीनो ने संवाददाताओं को बताया कि उनका (पेरेज का) कंसर्ट सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात से कुछ समय पहले शुरू हुआ था और लगभग एक घंटे बाद नाइटक्लब की छत गिर गई। पॉलीनो के मुताबिक, हादसे में पेरेज के संगीत समूह में शामिल सैक्सोफोन वादक की मौत हो गई, जबकि पेरेज सहित अन्य सदस्य घायल हो गए। उन्होंने कहा, ''यह एक झटके में हुआ और शुरू में मुझे लगा कि भूकंप आया है। मैंने एक कोने में जाकर किसी तरह अपनी जान बचाई।'' पॉलीनो की शर्ट खून से सने हुए थे। राष्ट्रपति लुइस अबिनाडर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि सभी बचाव एजेंसियां प्रभावित लोगों की मदद के लिए ''अथक प्रयास'' कर रही हैं। उन्होंने लिखा, ''हमें जेट सेट नाइटक्लब में हुई त्रासदी पर गहरा दुख है। हादसे के बाद से हम मिनट दर मिनट इससे जुड़ी जानकारी ले रहे हैं।'' अबिनाडर दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और अपनों को खोज रहे लोगों को गले लगाया। हालांकि, उन्होंने संवाददाताओं के सवालों के जवाब देने से परहेज किया। नाइटक्लब की छत गिरने की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। राष्ट्रपति अबिनाडर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि सभी बचाव एजेंसियां घ्घ्रभावित लोगों की मदद के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। उन्होंने लिखा, जेट सेट नाइटक्लब में हुये हादसे पर हमें गहरा दुख है। घटना के बाद से हम हर मिनट इस पर नज़र रख रहे हैं।

ट्रम्प हो या इजरायल हमला करके तो दिखाए, बमबारी की धमकी के बीच रूस-चीन और ईरान की बड़ी बैठक

मास्को में ईरान रूस और चीन की बड़ी बैठक हो रही है। इस बैठक की टाइमिंग इसलिए भी हम हो जाती है क्योंकि आने वाले शनिवार को ओमान में अमेरिका और ईरान के बीच न्यूक्लियर डील को लेकर चर्चा होने वाली है। यह खबर जैसे ही सामने आई रूस और चीन एक्टिव मोड में नजर आए और फिर मास्को में यह बैठक आयोजित की गई। सरल शब्दों में कहीं तो इस बैठक

में तीन बड़ी चीजों पर चर्चा होगी पहली कि न्यूक्लियर डील को लेकर ईरान का क्या रुख रहेगा? इसमें गौर करने वाली बात यह है कि यह सिर्फ ईरान का रुख नहीं रहेगा बल्कि पुतिन और जिनपिंग दोनों ही मजबूती के साथ ईरान के साथ खड़े हुए हैं। मतलब साफ है कि न्यूक्लियर डील को लेकर ईरान का रुख क्या रहने वाला है, यह पूरा खाका इस मीटिंग में तैयार हो जाएगा। दूसरी बड़ी बात यह है कि अगर यह मीटिंग फेल हो जाती है और अमेरिका की तरफ से जिस तरह से बार बार कहा जा रहा है कि ईरान पर हमला कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में ईरान की तरफ से क्या जवाबी कार्रवाई की जाएगी। इस मीटिंग को ऐसे भी देख सकते हैं कि चीन और ईरान मिलकर यह तय करेंगे कि अमेरिका को कैसे जवाब दिया जाए। अगर अमेरिका के बी–2 बॉम्बर्स या इजरायल की तरफ से ईरान पर कोई अटैक किया जाता है तो इसका कैसे जवाब दिया जाए। डोनाल्ड ट्रम्प के दोबारा सत्ता में आने के बाद से ही इस बात के कयास लगाए जा रहे थे कि अमेरिका और ईरान के बीच टेंशन बढ़ने वाली है। वहीं पिछले कुछ समय से मिडल ईस्ट में लगातार तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। हमेशा एक खतरा बना हुआ है कि अमेरिका कभी भी हमला कर सकता है जिसके बाद ईरान ने दो तरह की तैयारी शुरू की। पहले तो खामनेई ने अपनी इंटरनल फोर्स को डेप्लॉय किया, अपनी मिसाइल को अलर्ट मोड में रखा। ईरान के डिफेंस सिस्टम को एक्टिवेट कर दिया गया है। ईरान ने अपने 3000 से ज्यादा जहाज ओमान और फारस की खाड़ी के आस पास तैनात किए हैं ताकि किसी भी तरह का हमला हो तो उससे निपटा जा सके। लेकिन अगर ये युद्ध होता है तो उसमें सबसे बड़ी भूमिका पुतिन की हो जाएगी। रूस इस युद्ध को कैसे देखता है और क्या पुतिन खामनेई के साथ मजबूती से खड़े हैं। पुतिन ने अपना स्टैंड एक्फम क्लीयर कर दिया है। हाल ही में रूस की तरफ से साफ कर दिया गया कि अगर किसी भी तरह का हमला ईरान पर या उसके न्यूक्लियर साइट्स पर होता है तो उसके भयंकर परिणाम होंगे। हम ईरान के साथ खड़े हैं। वैसे ही चीन ने भी अपना पूरा समर्थन ईरान को दिया हुआ है कि युद्ध की स्थिति बनती है तो उससे कैसे निपटना है। यानी इस मीटिंग में ये तय हो जाएगा कि अमेरिका को किस तरह से सैन्य रूप से जवाब देना है।

8 घंटे तक पूछताछ, पुरुष ने कपड़े उतारवाकर तलाशी ली, अमेरिका में भारतीय महिला का छलका दर्द

एक चौंकाने वाली घटना में भारतीय उद्यमी श्रुति चतुर्वेदी को अमेरिका के अलास्का में एक हवाई अड्डे पर आठ घंटे तक हिरासत में रखा गया, उन्हें अत्यधिक अपमान का सामना करना पड़ा और बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित रखा गया। यह सब उनके हैंडबैग में रखे एक साधारण पावर बैंक के लिए। इसके बाद जो कुछ हुआ, उसने कई लोगों को अंतरराष्ट्रीय यात्रियों, खासकर भारत से आने वाले यात्रियों के साथ बढ़ती जांच और कठोर व्यवहार पर सवाल उठाने पर मजबूर कर दिया है। इंडिया एक्शन प्रोजेक्ट और चायपानी की संस्थापक चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर अपने दर्दनाक अनुभव को साझा किया, जिसमें एंकोरेज हवाई अड्डे पर अमेरिकी अधिकारियों के साथ उनकी मुठभेड़ के परेशान करने वाले विवरण का खुलासा किया। उद्यमी का दुःस्वप्न तब शुरू हुआ जब सुरक्षा अधिकारियों ने उनके पावर बैंक को ष्संदिग्धष् के रूप में चिह्नित किया। स्थिति जल्दी ही दुःस्वप्न में बदल गई क्योंकि उन्हें हिरासत में लिया गया, पुलिस और एफबीआई द्वारा पूछताछ की गई और कैमरे पर एक पुरुष अधिकारी द्वारा शारीरिक रूप से तलाशी ली गई। चतुर्वेदी ने लिखा कि मुझे कल्पना करने की ज़रूरत नहीं है, पहले ही सबसे बुरे 8 घंटे बीत चुके हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उनके गर्म कपड़े उतार दिए गए, उन्हें एक ठंडे कमरे में इंतज़ार करने के लिए मजबूर किया गया और उन्हें शौचालय का इस्तेमाल करने या एक भी फ़ोन कॉल करने की अनुमति नहीं दी गई। उनका मोबाइल फ़ोन और बटुआ जब्त कर लिया गया और जिस फ़्लाइट में उन्हें सवार होना था, वह छूट गई। चोट पर नमक छिड़कने के लिए, कोई गड़बड़ी न पाए जाने के बावजूद, अधिकारियों ने उनका सामान ज़ब्त कर लिया और उन्हें अपना सामान रखने के लिए सिर्फ़ एक पतला डफ़ल बैग दिया। यह घटना, जो कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई, अंतरराष्ट्रीय यात्रियों, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका में, के सामने आने वाली चुनौतियों की एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है।

तहव्वुर राणा और पाकिस्तान पर जयशंकर का बड़ा बयान, टेररिज्म इंडस्ट्री शुरू करोगे तो खुद भस्म हो जाओ

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान पर देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर आप आतंकवाद का उद्योग शुरू करेंगे तो आप उसमें समा जाएंगे। दिल्ली में राइजिंग भारत शिखर सम्मेलन में बोलते हुए जयशंकर ने बलूचिस्तान मुद्दे पर टिप्पणी की और कहा कि वहां लोग पीड़ित हैं, लेकिन अगर मैं कुछ भी कहूंगा तो उंगली उठाई जाएगी। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने कई मौकों पर दावा किया है कि यह भारत है जो देश में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है और बलूचिस्तान और दक्षिण एशियाई देशों को अस्थिर कर रहा है। बलूचिस्तान क्षेत्र में ट्रेन अपहरण की घटना सहित उसकी धरती पर कई हमले हुए हैं, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य आरोपी तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने के अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। सीएनएन न्यूज 18 राइजिंग भारत समिट 2025 में बात करते हुए उन्होंने कहा, तहव्वुर राणा के मुद्दे पर मैं कुछ भी नया नहीं कह सकता। जाहिर है, हम अमेरिकी कानूनी प्रक्रिया के फैसले का स्वागत करते हैं। राणा को अगले 24 या 48 घंटों में भारत प्रत्यर्पित किए जाने की संभावना है और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) उसके पहुंचने पर उसे हिरासत में ले लेगी। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) के सुप्रीम कोर्ट ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा की भारत को प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की याचिका को खारिज कर दिया है। सोमवार, 7 अप्रैल, 2025 को जारी सुप्रीम कोर्ट के आदेश में कहा गया है कि मुख्य न्यायाधीश को संबोधित और न्यायालय को संदर्भित स्थगन के लिए आवेदन अस्वीकार किया जाता है। पाकिस्तानी–कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा को अमेरिका में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) के लिए काम करने तथा मुंबई हमलों के लिए जिम्मेदार समूह को भौतिक सहायता प्रदान करने के आरोप में दोषी ठहराया गया था। इन हमलों में 174 से अधिक लोग मारे गए थे।

यूएस ने चीन पर अब लगा दिया 104% टैरिफ, ट्रंप के विरोध में खड़े हो गए एलन मस्क, अब क्या बड़ा होने वाला है?

अमेरिका ने चीन पर अब नया टैरिफ लगा दिया है। जब से डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ की की घोषणा की थी और 100 देशों पर टैरफ लगाया था। उस वक्त भारत पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया था और चीन पर भी टैरिफ लगा था। उसके बाद अब अमेरिका की तरफ से नया कदम उठाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से घोषित नए टैरिफ के बाद चीनी सामानों पर अमेरिका में 104 फीसदी तक शुल्क पहुंच गया है। दरअसल, अमेरिका ने चीन पर 34 : का रेसिप्रोकल टैरिफ लगा रखा है। जो कि 2 अप्रैल से लागू हुआ है। इसके अलावा इस साल की शुरुआत में 20 : का अतिरिक्त टैरिफ भी अमेरिका ने चीनी सामानों पर लगाया था। ऐसे में अमेरिका की तरफ से 50 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क लागू होते ही चीन पर प्रभावी टैरिफ दर 104 प्रतिशत तक पहुंच गया है। व्हाइट हाउस ने ऐलान किया कि चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों में 104 % का टैरिफ लागू हो गया है और अतिरिक्त शुल्क 9 अप्रैल की आधी रात से शुरू हो गए हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।